आषाढ़ शुक्ल पक्ष -10, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 18 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 जुलाई 2026 गुरुवार

आज का मौसम
26.0 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

आखिर पूरी हुई मुख्यमंत्री की मुराद, सबके चहेते अशोक वर्णवाल बने मुख्य सचिव

दोपहर मेट्रो स्पेशल
नए सीएस की अंतर्कथा
● राजेश सिरोठिया

करीब ढाई साल के इंतजार के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को आखिरकार अपनी पसंद का मुख्य सचिव चुनने का अवसर मिल ही गया। राज्य सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक वर्णवाल को प्रदेश का नया मुख्य सचिव नियुक्त करने का फैसला किया है। डॉ. यादव के मुख्यमंत्री बनने के समय भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने दिल्ली से प्रतिनियुक्ति पर अनुराग जैन को मध्यप्रदेश का मुख्य सचिव बनाकर भेजा था। अब अनुराग जैन को भारत सरकार ने नीति आयोग का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (CEO) नियुक्त किया है, जो मध्यप्रदेश के लिए भी गौरव का विषय माना जा रहा है।

इस नियुक्ति ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अब प्रदेश की नौकरशाही की कमान पूरी तरह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रशासनिक प्राथमिकताओं के अनुरूप चलेगी।

आज डॉ. राजौरा की मंत्रालय से होगी विदाई: अशोक वर्णवाल के मुख्य सचिव बनते ही मंत्रालय में एक और बड़ा प्रशासनिक बदलाव तय माना जा रहा है। उनसे वरिष्ठ 1990 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. राजेश राजौरा का मंत्रालय से हटना लगभग तय है। परंपरा के अनुसार कोई भी वरिष्ठ अधिकारी अपने से जूनियर मुख्य सचिव के अधीन मंत्रालय में कार्य नहीं करता। ऐसे में सरकार को उनके स्थान पर नए अपर मुख्य सचिव अथवा

डॉ. मोहन यादव

अनुराग जैन

अशोक वर्णवाल

प्रमुख सचिव की नियुक्ति करनी होगी। हालांकि नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार फिलहाल उनके पास बना रह सकता है।

मंत्रालय में बने रहेंगे मनु श्रीवास्तव: वर्णवाल के बैचमेट मनु श्रीवास्तव वरिष्ठता क्रम में उनसे नीचे हैं। इसलिए उनके ऊर्जा एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव के रूप में कार्य करते रहने में कोई प्रशासनिक बाधा नहीं होगी।

डॉ. यादव की पहली पसंद की कहानी: दिसंबर 2023 में जब भाजपा नेतृत्व ने सभी राजनीतिक समीकरणों को चौंकाते हुए डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया, उसी समय एक और अप्रत्याशित फैसला हुआ था। मुख्यमंत्री की पसंद से अलग दिल्ली ने केंद्र में सड़क परिवहन मंत्रालय में सचिव रहे अनुराग जैन को प्रतिनियुक्ति से वापस बुलाकर मध्यप्रदेश का मुख्य सचिव नियुक्त कर दिया। सूत्र बताते हैं कि उस समय डॉ. मोहन यादव की पहली पसंद डॉ. राजेश राजौरा थे, लेकिन दिल्ली में सत्ता और संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने अनुराग जैन के नाम पर मुहर लगाई। ग्वालियर में जन्मे और आईआईटी खड़गपुर से शिक्षित अनुराग जैन तब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के मंत्रालय में सचिव थे।

पिछले साल भी हुई थी वर्णवाल को मुख्य सचिव बनाने की कोशिश: सूत्रों के अनुसार अगस्त 2025 में अनुराग जैन का कार्यकाल समाप्त होने वाला था। उस समय भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अशोक वर्णवाल को मुख्य सचिव बनाने के लिए जोर लगाया था। बताया जाता है कि दिल्ली को सहमत करने के लिए वे उन्हें अपने साथ लेकर भी गए थे, लेकिन प्रधानमंत्री कार्यालय इस प्रस्ताव पर राजी नहीं हुआ।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके दोनों प्रमुख सचिव पी.के. मिश्रा और डॉ. शशिकांत दास अनुराग जैन के कामकाज से बेहद संतुष्ट थे। इसी वजह से उन्हें एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया गया।

उस समय यह विचार भी हुआ था कि छह माह का विस्तार देकर अनुराग जैन को फरवरी में रिक्त होने वाले मप्र रेरा के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी जाए, लेकिन अंततः प्रधानमंत्री कार्यालय ने उन्हें नीति आयोग का मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाने का निर्णय लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री को अपनी पसंद का मुख्य सचिव चुनने की स्वतंत्रता मिल गई।

वर्णवाल को भी मिल सकता है सेवा विस्तार: अशोक वर्णवाल का सेवानिवृत्ति कार्यकाल फरवरी 2027 में पूरा होना है। ऐसे में उनके पास लगभग सात माह का कार्यकाल ही रहेगा। लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ उनकी बेहतर कार्यशैली और तालमेल को देखते हुए उन्हें छह माह अथवा एक वर्ष का सेवा विस्तार मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री ने उन्हें पहले ही कृषि उत्पादन आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण पद के साथ वन, पर्यावरण और एपको का अतिरिक्त प्रभार सौंप रखा था। बाद में स्वास्थ्य विभाग में बदलाव के दौरान प्रमुख सचिव संदीप यादव को वन विभाग भेजा गया, जबकि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग भी वर्णवाल को सौंप दिए गए।

पंकज अग्रवाल को अभी करना होगा इंतजार: दिल्ली में ऊर्जा सचिव के पद पर कार्यरत इंदौर निवासी वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल को प्रदेश का मुख्य सचिव बनने के लिए अभी कुछ और इंतजार करना होगा। उनका सेवा कार्यकाल नवंबर 2029 तक है। ऐसे में भविष्य में उनके लिए यह अवसर खुला रहेगा।

अशोक वर्णवाल की सबसे बड़ी ताकत—हर सरकार का भरोसा: मूलतः झारखंड के निवासी अशोक वर्णवाल को प्रशासनिक सेवा के सबसे भाग्यशाली अधिकारियों में गिना जाता है। वे कमलनाथ सरकार के भी विश्वासपात्र रहे और शिवराज सिंह चौहान सरकार में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालते रहे। 2018 तक वे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सचिवालय में प्रमुख सचिव थे। कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्हें उसी पद पर बनाए रखा गया। पंद्रह महीने बाद शिवराज सिंह चौहान की वापसी हुई तो उन्हें वन विभाग की जिम्मेदारी दी गई। दिसंबर 2023 में डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने वर्णवाल पर और अधिक भरोसा जताते हुए एक के बाद एक कई महत्वपूर्ण विभागों का दायित्व सौंप दिया। यही भरोसा अब उन्हें प्रदेश के सर्वोच्च नौकरशाह की कुर्सी तक ले आया।

पेपर लीक मामले पर बड़ा ऐलानः मोदी बोले- युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को नहीं बख्शेंगे

नीट के आरोपियों पर मुकदमे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएगी केंद्र सरकार

■ राहुल का आरोप- पीएम एजुकेशन सिस्टम की बर्बादी के जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने आज ऐलान किया कि पेपर लीक के दोषियों को सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोटर्स बनाए जाएंगे। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 'देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए, सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। '

इस पर राहुल गांधी ने कहा, 'आपने ही हमारे युवाओं के भविष्य को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। आपने एजुकेशन सिस्टम बर्बाद होने दिया और इसके जिम्मेदार व्यक्तियों को संरक्षण दिया।'

संसद के बाहर एनडीए-इंडिया ब्लॉक सांसदों का प्रदर्शन

संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन आज संसद भवन परिसर में एनडीए और विपक्ष आमने-सामने आ गए। भाजपा सहित एनडीए के सहयोगी दलों के सांसदों ने मकर द्वार के सामने राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। वे पीएम आवास के बाहर 21 जुलाई को राहुल के धरने का विरोध कर रहे हैं। दूसरी तरफ इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी की।

दोपहर तक मेट्रो चालू करो : सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर पर चल रहे सीजेपी प्रदर्शन के कारण सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के बंद होने पर संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि यदि लंच तक मेट्रो स्टेशन नहीं खोला गया, तो सुप्रीम कोर्ट खुद इसमें दखल देगा। सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के चलते सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए डीएमआरसी ने सुप्रीम कोर्ट समेत दिल्ली के 16 मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद किया हुआ है।

'दिपके ने कचौड़ियां खाईं, मैंने बर्गर खाया तो निकाल दिया'

संसद मार्च के दौरान बर्गर खाने को लेकर विवादों में आए CJP के पूर्व प्रवक्ता विजेता दहिया ने पार्टी से हटाए जाने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि दो रातों से सोया नहीं था और प्रदर्शन की तैयारियों में जुटा था। भूख लगने पर खाना खाने गया था, लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद उन्हें प्रवक्ता पद से हटा दिया गया। उन्होंने अभिजीत दीपके के कचौड़ी खाने का जिक्र करते हुए कहा कि अगर उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो मेरे खिलाफ भी नहीं होनी चाहिए थी। इधर, आज सुबह ही पार्टी प्रवक्ता आशुतोष रंका ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी रहेगा।

प्रदेश पर मेहरबान हुआ मानसून

बारिश की दस्तक, तीन दिन पूरे प्रदेश में बरसेंगे बादल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आखिरकार लंबे इंतज़ार के बाद मानसून ने मध्यप्रदेश की ओर रुख कर लिया है। मंगलवार देर रात से राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के अनेक हिस्सों में शुरू हुई झमाझम बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले 48 से 72 घंटे तक मध्यप्रदेश के अधिकांश जिलों में अच्छी और व्यापक बारिश का दौर जारी रहेगा।

भोपाल	40.7 मिमी
इंदौर	19.1 मिमी
उज्जैन	4.0 मिमी
सागर	2.6 मिमी
जबलपुर	15.6 मिमी

दरअसल, उत्तर भारत की ओर सक्रिय मानसूनी धारा अब मध्यप्रदेश तक पहुंच गई है। उत्तरी मध्यप्रदेश में बना चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन), गुना और दमोह के पास से गुजर रही मानसून द्रोणिका (मानसून ट्रफ) तथा ईस्ट-वेस्ट शियर ज़ोन के संयुक्त प्रभाव से प्रदेश में बारिश के लिए बेहद अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। दूसरी ओर बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण से लगातार नमी से भरपूर हवाएं मध्यप्रदेश में प्रवेश कर रही हैं। इसी कारण किसी बड़े और शक्तिशाली मौसम तंत्र की अनुपस्थिति के बावजूद बादलों की आवाजाही लगातार तेज बनी हुई है।

मौसम विभाग के सैटेलाइट चित्र भी संकेत दे रहे हैं कि अगले दो से तीन दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बादलों की अच्छी सक्रियता बनी रहेगी। कई स्थानों पर तेज बारिश, गरज-चमक और कहीं-कहीं भारी वर्षा भी हो सकती है। राजधानी भोपाल, ग्वालियर-चंबल, बुंदेलखंड, सागर, नर्मदापुरम, भोपाल, जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों में वर्षा की गतिविधियां और तेज होने के आसार हैं।

इस बारिश से खरीफ फसलों को नई संजीवनी मिलने की उम्मीद है। सोयाबीन, धान, मक्का और अन्य फसलों की बढ़वार के लिए यह वर्षा बेहद लाभकारी मानी जा रही है। पिछले कुछ सप्ताह से कमजोर पड़े मानसून के कारण जिन किसानों की चिंता बढ़ गई थी, उनके चेहरों पर अब राहत दिखाई देने लगी है। बारिश का यह दौर केवल खेती के लिए ही नहीं, बल्कि प्रदेश के सूखते जलाशयों, बांधों, नदियों और भूजल स्तर के लिए भी वरदान साबित हो सकता है।

न्यूज विंडो

शादी से लौट रही कार तालाब में गिरी, पांच लोगों की डूबने से मौत

अनुगुल। ढेंकानाल सदर थाना क्षेत्र के छतिया गांव के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई। शादी समारोह से लौट रही कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित गहरे तालाब में जा गिरी। कार में सवार सात दोस्तों में से दो युवक किसी तरह दरवाजा तोड़कर बाहर निकलने और तैरकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। पांच अन्य युवकों की डूबने से मौत हो गई।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ विधायक आजमी का हुआ निधन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के लिए यूपी के आजमगढ़ से निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र से 5 बार विधायक रहे वरिष्ठ समाजवादी नेता आलमबदी आजमी का लखनऊ के एक अस्पताल में बीती रात उपचार के दौरान निधन हो गया।

सोनम की जमानत रद्द, सरेंडर के आदेश

नई दिल्ली। इंदौर के ट्रांसपोर्ट व्यापारी राजा रघुवंशी की मेघायल में हनीमून के दौरान हुई हत्या के मामले में आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द कर दी है। तीन हफ्ते में सोनम रघुवंशी को सरेंडर करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर ट्रायल में देरी होती है, तो 6 महीने बाद सोनम रघुवंशी दोबारा जमानत याचिका दाखिल कर सकती है।

सोनम को मिली जमानत के खिलाफ मेघालय सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सोनम के वकील ने कहा कि इस मामले में कुल 94 गवाह बनाए गए हैं, जिसमें से अभी तक सिर्फ 4 गवाहों के ही बयान दर्ज हुए हैं। सप्लीमेंट्री चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है और कड़ी शर्तों के साथ उसे जमानत मिली है। सोनम के वकील ने कहा कि उसने सरेंडर नहीं किया है, उसे यूपी के गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया था, उसकी गिरफ्तारी को सरेंडर बताया जा रहा है।

अमेरिका का ईरान के 4 प्रांतों पर हमला

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने लगातार 12वीं रात ईरान पर हमला किया। इस बार खुजेस्तान, बुशेहर, होर्मोजगान और इलाम प्रांतों में कई जगह मिसाइल और हवाई हमले हुए। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, कई सैन्य ठिकानों और रणनीतिक इलाकों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान बुरी तरह पिट रहा है। दूसरी तरफ, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सऊदी अरब के तेल टैंकर एन्सेलिया और लैला को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया है। सऊदी ने दोनों जहाजों पर हमले की पुष्टि की है। ब्रिटेन की यूकेएमटीओ ने भी सऊदी तट के पास एक जहाज पर हमले की जानकारी दी है। हूती विद्रोहियों के इस कदम से बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में तनाव पैदा हो गया है और वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर | 1,168 मेडल्स के लिए भिड़ेंगे दुनिया के खिलाड़ी, भारत के 125 एथलीट्स पर रहेंगी नजर

कॉमनवेल्थ गेम्सः आज से शुरू होगा खेलों का महाकुंभ

नई दिल्ली/ग्लासगो , एजेंसी

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आज (23 जुलाई) से राष्ट्रमंडल खेल 2026 का आगाज होने जा रहा है। दो अगस्त तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 74 देशों के करीब 3 हजार एथलीट्स हिस्सा लेंगे। बात करें भारत की तो वह कॉमनवेल्थ गेम्स में 19वीं बार हिस्सा लेने जा रहा है, जिसमें उसके 124 एथलीट्स मेडल के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

भारत अपने अभियान की शुरुआत मेंस और विमेंस लॉन बॉल इवेंट्स से करेगा। मेन्स टीम का सिंगल्स ग्रुप स्टेज मैच दोपहर 2 बजे से खेला जाएगा। वहीं, विमेंस टीम का पेयर्स ग्रुप स्टेज मैच भी दोपहर 2 बजे से ही खेला जाएगा।

भारतीय महिला लॉन बॉल टीम पिछले कॉमनवेल्थ गेम्स का प्रदर्शन दोहराना चाहेगी। बर्मिंघम में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में लवली चौबे, पिंकी, नयनमोनी सैकिया और रूपा रानी टिर्की ने महिला फोर्स इवेंट के फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था, जो लॉन बॉल में भारत का पहला मेडल था। इसके अलावा, सुनील बहादुर, चंदन सिंह, नवनीत सिंह और दिनेश कुमार की पुरुष फोर्स टीम ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था, पिछली बार भारत पुरुष पेयर्स इवेंट में भी मेडल जीतने के करीब पहुंचा था।

ओपनिंग सेरेमनी का टाइमः कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की भव्य ओपनिंग सेरेमनी रात 10:30 बजे से ग्लासगो के 'द हाइड्रो' में होगी। टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स टेन-2, सोनी स्पोर्ट्स-3 और सोनी स्पोर्ट्स-4 पर होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स में MP के 5 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

भोपाल। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आज से कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 का आगाज हो रहा है। 2 अगस्त तक चलने वाले इन खेलों में मध्यप्रदेश के पांच खिलाड़ी भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करेंगे। इनमें राज्य एथलेटिक्स अकादमी के देव मीणा, कुलदीप कुमार और समरदीप सिंह, जूडो की यामिनी मौर्य और वेटलिफ्टर वल्लुरी अजय बाबू शामिल हैं। एथलेटिक्स में देव मीणा और कुलदीप कुमार पोल वॉल्ट, जबकि समरदीप सिंह शॉटपुट में चुनौती पेश करेंगे। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी पोल वॉल्ट खिलाड़ियों और शॉटपुट में शानदार प्रदर्शन कर चुके समरदीप से पदक की उम्मीद है।

जॉनी वॉकर, ग्लेनफिडिच और ग्रे गूज जैसे महंगे ब्रांड्स की तस्करी कर रहे अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, 4 लग्जरी कारों से 750 बोतलें बरामद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में अवैध विदेशी शराब के बड़े नेटवर्क का आबकारी विभाग ने पर्दाफाश करते हुए इस वर्ष की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। करीब 20 दिनों तक चली गोपनीय निगरानी और 'आठ पेटी' शराब का आर्डर देकर बिछाए गए जाल के बाद विभाग ने एक संगठित तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई में करीब 750 बोतल प्रीमियम विदेशी शराब बरामद हुई है। तस्करों के द्वारा हरियाणा, आगरा के रास्ते ग्वालियर होते हुए भोपाल तक अवैध शराब मंगवाई जाती थी। टीम ने गिरोह का सरगना राहुल यादव, उसकी पत्नी प्रीति सहित तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं, जबकि एक अन्य सहयोगी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी पूर्व में बड़ी मात्रा में अवैध शराब के साथ गिरफ्तार हो चुका है तस्कर राहुल यादव जेल से छूटने के बाद दोबारा से बड़े स्तर पर अवैध शराब की तस्करी कर रहा है। इस सूचना के आधार पर आबकारी विभाग ने अपने दो अधिकारियों को खरीदार के तौर पर तस्कर के पीछे लगाया। जिन्होंने तस्कर को आठ पेटी शराब का ऑर्डर दिया था। जिसके अनुसार वह मंगलवार को गांधीनगर स्थित पंचवटी कॉलोनी में चार पहिया वाहन से अवैध शराब लेकर पहुंचा। जहां सादा कपड़ों में तैनात आबकारी अधिकारियों ने तस्कर राहुल यादव को धर दबोचा और उसकी कार से करीब 81 बल्क लीटर अवैध अयातित शराब बरामद की है।टीम आरोपी को उसके घर घर त्रिलंगा विकास कुंज लेकर पहुंची, जहां तलाशी के दौरान तीन चार पहिया वाहन से 411 बल्क लीटर शराब बरामद की है। इसी तरह उनके एक अन्य सहयोगी चंचल साहू के मकान से तलाशी के दौरान 54 बल्क लीटर अवैध शराब बरामद की, जबकि उनका एक सहयोगी कार्रवाई की भनक लगते ही घर से फरार हो गया था।इस तरह टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब 750 बोतल अवैध आयातित शराब बरामद की है।

गिरोह करता था प्रीमियम विदेशी ब्रांडों की तस्करी

जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह केवल प्रीमियम विदेशी ब्रांडों की तस्करी करता था। जब्त शराब में जानी वाकर रेड लेबल, गोल्ड लेबल, डबल ब्लैक, ग्लेनफिडिच, द सिंगलटन, बाम्बे सैफायर, ग्रे गूज, जैमसन, स्मरनाफ़ और मैजिक मोमेंट्स जैसे महंगे ब्रांड शामिल हैं। इनमें स्काटलैंड, इंग्लैंड, आयरलैंड, फ्रांस और रूस में विकसित ब्रांड शामिल हैं। सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ ने बताया कि जिला आबकारी कंट्रोलर आरजी भदौरिया की टीम ने बड़ी मात्रा में विदेश की महंगी अवैध शराब बरामद की है। तस्कर दंपती व उनके साथियों से पूछताछ में अहम सुराग मिले हैं, जिससे एक बड़े शराब तस्कर गिरोह के खुलासा होने की उम्मीद है।

राजधानी में तीन अलग-अलग मामलों में ठगी का नया तरीका आया सामने

साइबर का ट्रिपल अटैक: फर्जी रिश्तेदार लोन ऐप, बिना OTP के 1.44 लाख साफ

भोपाल। दोपहर मेट्रो

साइबर ठगों ने शहर में ठगी के तीन अलग-अलग तरीकों से लोगों को निशाना बनाकर कुल 1.44 लाख रुपए की चपत लगा दी। जहांगीराबाद क्षेत्र में एक सेवानिवृत्त फायर ब्रिगेड कर्मचारी को फर्जी रिश्तेदार बनकर अस्पताल के बिल के नाम पर 81 हजार रुपए ठग लिए गए। वहीं बजरिया क्षेत्र में आसान ऑनलाइन लोन का झांसा देकर एक युवती से 28,900 रुपए प्रोसेसिंग और अन्य शुल्क के नाम पर ऐंठ लिए गए। तीसरे मामले में जहांगीराबाद क्षेत्र के ही एक बुजुर्ग के खाते से बिना ओटीपी साझा किए 35 हजार रुपये निकल गए। तीनों मामलों में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले मामले में मुर्गी बाजार निवासी 64 वर्षीय सेवानिवृत्त फायर ब्रिगेड कर्मचारी खालिद सिद्दीकी को अज्ञात नंबर से कॉल आया। ठग ने खुद को करीबी रिश्तेदार बताते हुए अस्पताल में भर्ती होने की बात कही और बिल भुगतान में मदद मांगी। भरोसे में लेकर उसने क्यूआर कोड स्कैन करवाया और अलग-अलग ट्रांजेक्शन में 81 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए।

दूसरे मामले में 22 वर्षीय हर्षिता ठाकुर ने ऑनलाइन लोन के लिए आवेदन किया था। कथित कंपनी प्रतिनिधियों ने प्रोसेसिंग फीस और वेरिफिकेशन चार्ज के नाम पर उनसे 28,900 रुपये जमा करा लिए। बैंक की संदिग्ध लेनदेन की चेतावनी के बावजूद भुगतान जारी रहा।

तीसरे मामले में 72 वर्षीय हरिशंकर गुप्ता के खाते से 35 हजार रुपये निकल गए। उनका कहना है कि उन्होंने न ओटीपी साझा किया और न किसी लिंक पर क्लिक किया। पुलिस अब बैंक ट्रांजेक्शन के आधार पर जांच कर रही है।

लोन के लालच में 28,900 रुपए गंवाए

बजरिया थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय हर्षिता ठाकुर ऑनलाइन लोन के चक्कर में साइबर ठगी का शिकार हो गईं। ज्वेलरी शोरूम में काम करने वाली हर्षिता ने गोल्ड में निवेश के लिए ऑनलाइन लोन लेने के उद्देश्य से एक लोन ऐप पर आवेदन किया था। इसके बाद कथित कंपनी प्रतिनिधियों ने उनसे संपर्क किया और लोन स्वीकृत कराने के नाम पर प्रोसेसिंग फीस, वेरिफिकेशन चार्ज सहित अन्य शुल्क जमा कराने को कहा। रकम ट्रांसफर करते समय बैंक ने कई बार लेनदेन को संदिग्ध बताते हुए चेतावनी दी और सावधानी बरतने की सलाह दी। इसके बावजूद युवती ने लोन प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद में अलग-अलग किश्तों में कुल 28,900 रुपये जमा कर दिए। बाद में लोन नहीं मिला और संपर्क भी बंद हो गया।

रिश्तेदार बन लगाया 81 हजार का चूना

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में साइबर ठग ने खुद को करीबी रिश्तेदार बताकर सेवानिवृत्त फायर ब्रिगेड कर्मचारी को अपना शिकार बना लिया। मुर्गी बाजार के पास रहने वाले 64 वर्षीय खालिद सिद्दीकी के पास सोमवार शाम अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को उनका रिश्तेदार बताया और कहा कि वह अस्पताल में भर्ती है तथा ऑनलाइन बिल का भुगतान नहीं कर पा रहा है। उसने पहले खाते में रुपये भेजने का भरोसा दिलाया और फिर भुगतान के लिए क्यूआर कोड स्कैन करने को कहा। रिश्तेदार समझकर खालिद ने अलग-अलग ट्रांजेक्शन में 81 हजार रुपये भेज दिए। बाद में बैंक बैलेंस चेक करने पर पता चला कि कोई रकम जमा नहीं हुई। तब ठगी का खुलासा हुआ।

न OTP बताया, न लिंक खोला, फिर भी खाते से उड़े 35 हजार

साइबर ठगों ने ठगी का ऐसा तरीका अपनाया कि पीड़ित को न तो कोई ओटीपी साझा करना पड़ा और न ही किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करना पड़ा। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के अहीर मोहल्ला निवासी 72 वर्षीय हरिशंकर गुप्ता के बैंक खाते से 35 हजार रुपये निकल गए। उन्हें ठगी की जानकारी तब हुई, जब मोबाइल पर बैंक की ओर से रकम कटने का संदेश आया। इसके बाद उन्होंने खाते की जानकारी जांची तो रकम गायब मिली। हरिशंकर का कहना है कि उन्होंने किसी व्यक्ति के साथ ओटीपी साझा नहीं किया था और न ही किसी लिंक पर क्लिक किया। शिकायत के बाद पुलिस ने साइबर ठगी का मामला दर्ज कर लिया है। अब बैंक ट्रांजेक्शन और खाते से जुड़ी जानकारी के आधार पर जांच की जा रही है।

लेतलाली के असर से अभी भी मुक्त नहीं सूखी सेवनिया आरओबी एप्रोच का काम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सूखी सेवनिया रेलवे ओवरब्रिज की धंसी हुई फोरलेन एप्रोच रोड के निर्माण कार्य में लगातार हो रही देरी से लोगों की परेशानी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। लगभग एक वर्ष बीतने के बावजूद अब तक दोनों ओर की एप्रोच सड़क पर आवागमन शुरू नहीं हो सका है। फिलहाल केवल एक तरफ का मार्ग ही चालू किया गया है, जबकि दूसरी ओर का काम अब भी अधूरा पड़ा है।

करीब 14 वर्ष पहले बने 52 किलोमीटर लंबे ईस्टर्न बायपास के इस हिस्से की मरम्मत के लिए एमपी रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) ने लगभग 18 करोड़ रुपये का ठेका दिया था। निर्माण कार्य के दौरान समुचित डायवर्जन की व्यवस्था नहीं किए जाने से पिछले एक वर्ष से आम लोगों और परिवहन व्यवसायियों को भारी परेशानियों का सामना करना

फाइल फोटो।

पड़ रहा है। भारी वाहनों को कल्याणपुर-चोपड़ा कला प्रधानमंत्री ग्राम सड़क मार्ग से होकर लगभग 14 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। लगातार भारी ट्रैफिक का दबाव पड़ने से यह सड़क भी कई स्थानों पर जर्जर हो चुकी है। ठेका शर्तों के अनुसार 15 मई तक दोनों एप्रोच तैयार कर यातायात पूर्ववत किया जाना था, लेकिन समय-सीमा बीतने के बाद भी काम पूरा नहीं हो सका। 30 जून के बाद एक तरफ का मार्ग तो खोल दिया गया, लेकिन जुलाई समाप्त होने को है और दूसरी एप्रोच अब भी अधूरी है।

फैक्ट फाइल

- ईस्टर्न बाइपास की कुल लंबाई : 52 किलोमीटर।
- सड़क निर्माण की लागत : 276 करोड़ रुपए।
- कुल परियोजना लागत : 276 करोड़ 56 लाख रुपए।
- निर्माण एजेंसी : ट्रांसयाट, हैदराबाद।
- टोल वसूली की अनुमति : वर्ष 2011 से 2026 तक।
- कंपनी का कांट्रैक्ट निरस्त : नियमों के उल्लंघन के चलते जुलाई 2020 में कंपनी का कांट्रैक्ट निरस्त किया गया।
- रेलवे फ्लाईओवर की एप्रोच : घटिया रिटेनिंग वॉल के कारण प्रभावित हुई।
- सड़क धंसने का कारण : घटिया मुरम और कमजोर रिटेनिंग वॉल बनी परेशानी का सबब।
- एप्रोच रोड : निर्माण की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठे।
- धंसी सड़क के पूर्णनिर्माण के लिए 18 करोड़ रुपए दिए, लेकिन निर्माण के दौरान कंपनी ने नहीं बनाया डायवर्सन।

स्टेशन पर छोड़ी 1 माह की बच्ची, जीआरपी ने 11 दिन में माता-पिता को खोजा

भोपाल. दोपहर मेट्रो। आर्थिक तंगी से जूझ रहे माता-पिता एक माह की बच्ची को भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-6 स्थित ऑटो स्टैंड पर लावारिस छोड़कर चले गए। जीआरपी ने ऑपरेशन हमदर्द के तहत 11 दिन की मेहनत के बाद सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जांच और सोशल मीडिया की मदद से बच्ची के माता-पिता को खोज निकाला। जांच में सामने आया कि दंपती बच्ची और अपनी बड़ी बेटी के साथ पुणे से बिहार जा रहा था। परिवार ने पुणे का जनरल टिकट लिया था और भोपाल स्टेशन पर बच्ची को छोड़ दिया। जीआरपी टीम ने पुणे पहुंचकर स्थानीय पुलिस और जीआरपी की मदद से उनकी तलाश की। बच्ची की खबर सोशल मीडिया पर देखने के बाद माता-पिता उसे देखने भोपाल पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें पहचान लिया। दोनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बच्ची के भविष्य पर अंतिम फैसला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) करेगी।

फाइनेंस कंपनी, सूदखोर की प्रताड़ना से परेशान हो कर शेफ ने लगाई फांसी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र में कर्ज के दबाव में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। सुसाइड नोट में लिखा मूलधन लौटाया चुका बावजूद कर्जदार ब्याज की राशि का दबाव बना रहे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार नीलबड़ स्थित बृजधाम कालोनी निवासी 37 वर्षीय रामश्रवण पटेल कोलार रोड स्थित एक बंगले में शेफ का काम करता था। मंगलवार सुबह घर से काम पर जाने निकला था। वहीं देर शाम को कलियासोत डैम के पास पेड़ पर उसका शव फंदे पर लटका मिला। मौके से मिले सुसाइड नोट में मृतक ने निजी साहूकार और एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंटों पर लगातार प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। सुसाइड नोट में लिखा कि मकान बनाने के लिए एक साहूकार से 3.70 लाख रुपए उधार लिए थे। बाद में मूल रकम वापस दे चुका था, लेकिन कर्जदार उससे प्रतिदिन 10 हजार रुपये ब्याज की मांग कर रहा था। साथ ही

प्राइवेट फाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंट भी उस पर भुगतान का दबाव बना रहे थे, जिससे वह मानसिक तनाव में आ गया था। मृतक के भाई अरुण पटेल ने पुलिस को बताया कि कर्ज चुकाने के लिए परिवार ने गहने तक गिरवी रख दिए थे, लेकिन लेनदारों का दबाव कम नहीं हुआ। स्वजनों ने आरोप लगाया कि तीन दिन पहले उसे चुनाभट्टी थाने बुलाकर घंटों बैठाया। रातीबड़ थाना प्रभारी रास बिहारी शर्मा ने बताया कि चार दिन पहले भी रामश्रवण ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी का प्रयास किया था। पुलिस सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग, मोबाइल काल डिटेल, वित्तीय लेन-देन और नोट में नामजद लोगों से पूछताछ कर रही है।

सतत नया पढ़ने और सीखने का भाव सृजन के नए आयाम खोलता है : डॉ. विकास दवे

लघुकथा शोध केंद्र समिति के नवीन कार्यालय एवं पुस्तकालय का हिंदी भवन परिसर में उद्घाटन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सतत नया पढ़ने और सीखने का भाव सृजन के नए आयाम खोलता है। लघुकथा शोध केंद्र समिति का नवीन कार्यालय एवं पुस्तकालय लघुकथा विधा के उन्नयन, विमर्श और शोध के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। केंद्र की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। यह बात मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के निदेशक एवं साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश के निदेशक डॉ. विकास दवे ने कही।

वे हिंदी भवन, भोपाल स्थित लघुकथा शोध केंद्र समिति के परिसर में केंद्र के नवीन कार्यालय एवं पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर समिति की ओर से मुख्य अतिथि डॉ. विकास दवे का स्वागत किया गया।

उद्घाटन समारोह के बाद लघुकथा गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें रचनाकारों ने विविध विषयों पर केंद्रित अपनी चुनिंदा लघुकथाओं का प्रभावी वाचन किया। रेखा सक्सेना ने 'हस्तक्षेप', शेफालिका श्रीवास्तव ने 'उम्मीद का अंकुर', वंदना जोशी ने 'सावन की झड़ी', मधुलिका सक्सेना ने 'अजन्मा', निरुपमा खरे ने 'दृष्टिकोण', सरिता बघेला ने 'मां की याद में' और सुनीता प्रकाश ने 'प्रतीक्षा' का वाचन किया।

इसी क्रम में मेघा मैथिल ने 'आपदा में अवसर', मुज़फ़्फ़र इकबाल सिद्दीकी ने 'आमसभा', डॉ. गिरजेश सक्सेना ने 'अभी न जाओ छोड़कर', ज्योति करंजगांवकर ने 'जड़ों की ओर वापसी', शबनम सुल्ताना ने 'सावन आया', मनमोहन चौरे ने 'बहस', कांता रॉय ने 'जनतादित्य की पीठ पर' तथा घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने 'ऑक्सीजन प्लांट' लघुकथा प्रस्तुत की। विविध विषयों पर केंद्रित प्रभावी लघुकथाओं के वाचन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मेट्रो एंकर — **5.36 करोड़ की परियोजना को नई एजेंसी के साथ मिलेगा नया रूप**

कबाड़ हो गईं 500 स्मार्ट साइकिलें, अब 4 रूटों पर फिर दौड़ेगी 'साइकिल सेवा'

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल स्मार्ट सिटी की करीब 5.36 करोड़ रुपये की स्मार्ट साइकिल और ई-बाइक परियोजना अब नए सिरे से शुरू होने जा रही है। वर्ष 2017 में शुरू की गई पब्लिक बाइसिकल शेयरिंग सेवा के तहत शहर में करीब 500 स्मार्ट साइकिलें और ई-बाइक उतारी गई थीं, लेकिन रखरखाव के अभाव और अपेक्षित उपयोग नहीं मिलने के कारण परियोजना धीरे-धीरे दम तोड़ गई। स्थिति यह है कि अधिकांश साइकिलें और ई-स्कूटर कबाड़ में तब्दील हो चुके हैं। स्मार्ट सिटी ने इन्हें शहरभर से हटाकर पिछले करीब छह माह से आइएसबीटी स्थित गोदाम में रखवा दिया है। साइकिल स्टैंड भी खाली पड़े हैं और कई स्थानों पर बनाए गए साइकिल ट्रैक की हालत खराब हो चुकी है। अब स्मार्ट सिटी कंपनी ने

पुरानी खामियों से सबक लेते हुए नई एजेंसी के जरिए परियोजना को नए स्वरूप में शुरू करने की तैयारी की है। इसके लिए डिजाइन, सप्लाई, इंस्टालेशन, संचालन और रखरखाव के लिए नई रियायतग्राही एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस बार पूरे शहर में सेवा विस्तार के बजाय चार प्रमुख रूटों पर फोकस किया जाएगा। इनमें एमपी नगर से छह नंबर मार्केट, छह नंबर मार्केट से 10 नंबर मार्केट, नर्मदापुरम रोड और कोलार रोड शामिल हैं। नई एजेंसी आधुनिक स्मार्ट साइकिल और ई-स्कूटर उपलब्ध कराने के साथ जीपीएस ट्रैकिंग, डिजिटल भुगतान और बेहतर रखरखाव की व्यवस्था करेगी।

2017 में शुरू हुई थी सेवा

भोपाल में सार्वजनिक परिवहन के विकल्प को बढ़ावा देने और लोगों को कम दूरी के सफर के लिए सुविधाजनक साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2017 में पब्लिक बाइसिकल शेयरिंग परियोजना शुरू की गई थी। स्मार्ट सिटी के इस प्रोजेक्ट के तहत शहर के अलग-अलग हिस्सों में करीब 500 स्मार्ट साइकिलें और ई-बाइक उपलब्ध कराई गई थीं। शुरुआत में लोगों ने इसमें रुचि दिखाई, लेकिन समय के साथ सेवा का संचालन कमजोर पड़ता गया। नियमित रखरखाव नहीं होने से साइकिलें खराब होती गईं। वहीं, अपेक्षित संख्या में उपयोगकर्ता नहीं मिलने से परियोजना की संचालन लागत भी अधिक हो गई। नतीजतन यह प्रोजेक्ट घाटे में चला गया और धीरे-धीरे स्मार्ट साइकिलें सड़कों से गायब हो गईं।

चार रूटों पर सफलता मिली तो आगे बढ़ेगा दायरा

नई योजना के तहत स्मार्ट सिटी कंपनी ने इस बार पूरे शहर में एक साथ सेवा शुरू करने के बजाय चुनिंदा चार प्रमुख रूटों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। इन रूटों में एमपी नगर से छह नंबर मार्केट, छह नंबर मार्केट से 10 नंबर मार्केट, नर्मदापुरम रोड और कोलार रोड शामिल हैं। स्मार्ट सिटी का मानना है कि इन रूटों पर सेवा को बेहतर तरीके से संचालित कर उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ाई जा सकती है। नई एजेंसी के चयन के बाद आधुनिक तकनीक से लैस स्मार्ट साइकिल और ई-स्कूटर उपलब्ध कराए जाएंगे। इनमें जीपीएस ट्रैकिंग और डिजिटल पेमेंट जैसी सुविधाएं होंगी।

शराब और पैसों के लेकर हुआ विवाद युवक को मारी गोली

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र के वाजपेयी नगर में अवैध शराब के 400 रुपए के विवाद में युवक को गोली मार दी गई। श्यामला हिल्स निवासी अमन मिर्जा (22) बीती रात रात दो दोस्तों के साथ शराब खरीदने पहुंचा था। उसने शराब तस्कर हेमंत को 500 रुपए एडवांस दिए, लेकिन शराब नहीं मिलने पर रकम वापस मांगी। आरोप है कि हेमंत ने केवल 100 रुपए लौटाए और बाकी देने से इनकार कर दिया। विवाद बढ़ने पर उसने पिस्टल से फायर कर दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

लॉर्ड्स से भोपाल तक गूंजी क्रांति गौड़ की गूंज, मुख्यमंत्री ने किया सम्मान; बोले-

बेटियां रच रही हैं नया खेल इतिहास, खेलों को बढ़ावा देने का दोहराया संकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल अधोसंरचना, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और उन्हें हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री निवास स्थित संवाद भवन में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि प्रदेश में खेलो बढ़ो अभियान के तहत सांसद कप और विधायक कप जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से हर विधानसभा और तहसील स्तर पर खेल प्रतिभाओं को मंच दिया जा रहा है। इसी प्रयास का परिणाम है कि आज प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर क्रांति गौड़, उनके पिता नरसिंह सिंह और भाई महेंद्र सिंह का सम्मान किया।

सीएम ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से क्रांति गौड़ को तीन लाख रुपये का चेक और स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इसके अलावा उन्होंने अपनी ओर से दो लाख रुपये की अतिरिक्त सम्मान राशि भी भेंट की। इस तरह क्रांति गौड़ को कुल पांच लाख रुपये की सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की लाड़ली बेटी क्रांति गौड़ ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर सात विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन करना किसी भी खिलाड़ी के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि प्रदेश की बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

क्रांति गौड़ को पांच लाख रुपये की सम्मान राशि

बेटियां किसी से कम नहीं | मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मध्यप्रदेश की बेटियां हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। खेलों में भी वे लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि क्रांति गौड़ ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा और मेहनत के दम पर छोटे गांवों से निकलकर भी विश्व स्तर पर पहचान बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि अधिक से अधिक युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रोशन करें।

संघर्षों से भरा रहा क्रांति का सफर

सम्मान समारोह में क्रांति गौड़ ने युवा खिलाड़ियों से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि बचपन से ही उनका सपना भारतीय क्रिकेट टीम की नीली जर्सी पहनने का था। बुंदेलखंड के एक छोटे से गांव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक का सफर आसान नहीं था, लेकिन परिवार के सहयोग और अपने संकल्प ने उन्हें कभी हार नहीं मानने दी। क्रांति ने कहा कि उनके परिवार ने कठिन आर्थिक परिस्थितियों का सामना किया। कई बार बरसात में टपकते मकान के नीचे रहना पड़ा और घर में राशन तक नहीं होता था, लेकिन माता-पिता ने कभी उनके सपनों को टूटने नहीं दिया।

युवा खिलाड़ियों को दिया प्रेरणा का संदेश

क्रांति गौड़ ने युवा खिलाड़ियों से कहा कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, खेल सचिव संजीव सिंह, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालक अंशुमान सिंह यादव सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

सीएजी रिपोर्ट ने खोली सरकारी कामकाज की परतें

जनता के हक पर डाका! पानी, पोषण और महिलाओं के लिए आया करोड़ों रु. सरकारी दिखावे में उड़ाया

धार, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और वित्तीय प्रबंधन को लेकर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की ताजा रिपोर्ट ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साफ पेयजल, महिलाओं और बच्चों के पोषण तथा कामकाजी महिलाओं के आवास जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित करोड़ों रुपये का उपयोग तय उद्देश्य के बजाय सरकारी कार्यक्रमों, टेंट, धार्मिक आयोजनों, अधिकारियों की सुविधाओं और अन्य मदों में किया गया। रिपोर्ट में योजनाओं के संचालन, निर्माण कार्यों और धन के उपयोग में व्यापक लापरवाही सामने आई है।

25 लाख महिलाएं पोषण योजनाओं से वंचित

सीएजी के अनुसार प्रशासनिक लापरवाही के कारण प्रदेश की करीब 25 लाख जरूरतमंद महिलाएं घर ले जाने वाले पोषण आहार और गर्म भोजन योजना का लाभ नहीं ले सकीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में विभाग पूरी तरह सफल नहीं रहा, जिससे मातृ एवं शिशु पोषण पर प्रतिकूल असर पड़ा।

आंगनवाड़ियों की बदहाली उजागर- रिपोर्ट में आंगनवाड़ी व्यवस्था की भी चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। वर्ष 2024 की अनुमानित आबादी के हिसाब से प्रदेश में एक लाख से अधिक आंगनवाड़ी केंद्र होने चाहिए थे, जबकि केवल 97,303 केंद्र संचालित मिले। यानी 13,572 केंद्रों की कमी है।

47 प्रतिशत आंगनवाड़ियां किराए के कमरों में

इसके अलावा 8,842 गांव और वार्ड ऐसे हैं, जहां आज तक एक भी आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित नहीं हो सका। करीब 47 प्रतिशत आंगनवाड़ियां स्थायी सरकारी भवनों के बजाय किराए के कमरों, पंचायत भवनों या स्कूलों में संचालित हो रही हैं। इनमें पेयजल, शौचालय, रसोई, भंडारण कक्ष और बच्चों के खेलने जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है।

भवन अधूरे, बंद केंद्रों पर भी हुआ भुगतान

सीएजी ने बताया कि वर्षों पहले स्वीकृत हजारों आंगनवाड़ी भवन अब तक पूरे नहीं हो सके। कई भवनों का निर्माण शुरू तक नहीं हुआ। विभाग के पास यह रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं था कि स्वीकृत भवनों में कितने बन पाए। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि महामारी के दौरान जब हजारों आंगनवाड़ी केंद्र बंद थे, तब भी कागजों पर कार्यक्रम दिखाकर लगभग एक करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया। इसके अलावा कई जिलों में कार्यक्रमों का भुगतान एक वर्ष से अधिक की देरी से किया गया और यह भी सत्यापित नहीं किया गया कि कार्यक्रम वास्तव में आयोजित हुए थे या नहीं।

कामकाजी महिलाओं के आवास भी उपेक्षा का शिकार

कामकाजी महिलाओं के लिए स्वीकृत 59 छात्रावासों में से केवल 13 ही संचालित मिले। 22 भवनों का उपयोग दूसरे कार्यों में किया जा रहा है, जबकि कई भवन बंद या जर्जर हालत में हैं। कुछ छात्रावास ऐसे भी हैं जिनका निर्माण तीन दशक से अधिक समय बीतने के बाद भी पूरा नहीं हो सका। रखरखाव और सुविधाओं के अभाव के कारण संचालित छात्रावासों में भी आधी क्षमता तक ही उपयोग हो रहा है।

हर घर जल योजना की राशि दूसरे कामों में खर्च

रिपोर्ट के अनुसार, हर घर जल योजना के लिए मिली राशि का उपयोग नियमों के विपरीत किया गया। 12 करोड़ रुपये से अधिक की राशि विकास यात्राओं, भूमि पूजन, सम्मेलनों, टेंट, अधिकारियों और मेहमानों के ठहरने जैसी गतिविधियों पर खर्च कर दी गई। जबकि योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाना था।

सर्वे में देरी से 50 % बढ़ी परियोजनाओं की लागत

सीएजी ने आठ जिलों की समीक्षा में पाया कि समय पर सर्वे नहीं होने के कारण जल योजनाओं की लागत में भारी बढ़ोतरी हुई। 853 योजनाओं की अनुमानित लागत 668.67 करोड़ रुपये से बढ़कर 997.12 करोड़ रुपये हो गई, यानी करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वेक्षण एजेंसियों की नियुक्ति में देरी और योजना निर्माण में लापरवाही इसका प्रमुख कारण रही।

सुधार के दिए निर्देश

सीएजी ने राज्य सरकार को आंगनवाड़ी, पेयजल, महिलाओं के आवास और रोजगार योजनाओं के संचालन में पारदर्शिता बढ़ाने, धन का निर्धारित उद्देश्य के लिए उपयोग सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट ने स्पष्ट संकेत दिया है कि सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के बिना करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद आम लोगों तक उनका पूरा लाभ नहीं पहुंच पा रहा है।

महाकाल मंदिर की जमीन विधायक को देने का मामला

कोर्ट ने जारी किए नोटिस; कहा- चाहें तो चिंतामणि मालवीय को भी बना सकते हैं पक्षकार

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

महाकाल मंदिर की शासकीय भूमि की पार्किंग को भाजपा विधायक और पूर्व भाजपा शहर अध्यक्ष के नाम करने के बहुचर्चित मामले में इंदौर हाईकोर्ट ने राज्य शासन, राजस्व विभाग, संभागायुक्त उज्जैन, कलेक्टर उज्जैन, नगर निगम उज्जैन सहित संबंधित राजस्व अधिकारियों को पक्षकार बनाकर नोटिस जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता चाहें तो भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय को भी पक्षकार बनाया जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई नोटिस तामिल होने के बाद होगी। महाकाल मंदिर के पास पार्किंग में उपयोग हो रही जमीन को लेकर आरोप है कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज भूमि को निजी बताकर उसका सौदा किया गया। इस मामले की शिकायत लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू और हाईकोर्ट तक पहुंच चुकी है।

मामला करीब 45 हजार वर्गफीट जमीन से जुड़ा है। यह जमीन 2 मार्च 2026 को यूटोपिया होटल एंड रिसॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने 3.82 करोड़ रुपए में खरीदी। कंपनी के डायरेक्टर और साझेदारों में आलोट के भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय और इकबाल सिंह गांधी शामिल बताए गए थे। आरोप है कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज जमीन को निजी दिखाकर उसका सौदा किया गया और यहां फाइव स्टार होटल बनाने की तैयारी की जा रही है।

कांग्रेस पार्षद की शिकायत के बाद पहुंचा मामला हाईकोर्ट- शिकायत कांग्रेस पार्षद राजेंद्र कुवाल ने की थी। उनका आरोप है कि सौदे में शामिल खसरों की कुछ जमीन वर्तमान में महाकाल मंदिर पार्किंग के रूप में उपयोग हो रही है। उन्होंने मुख्य सचिव, लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू को लिखित शिकायत भी दी थी। इसके बाद इंदौर हाईकोर्ट की खंडपीठ में जनहित याचिका दायर कर पूरे मामले की जांच की मांग की गई।

14 जुलाई को दायर हुई जनहित याचिका

राजेंद्र कुवाल ने 14 जुलाई 2026 को जनहित याचिका दायर की। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता जयेश गुरनानी ने बताया कि याचिका में राज्य शासन, राजस्व विभाग, संभागायुक्त उज्जैन, कलेक्टर उज्जैन, नगर निगम उज्जैन सहित संबंधित राजस्व अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है। याचिका के अनुसार ग्राम कस्बा उज्जैन, पटवारी हल्का क्रमांक-05, तहसील एवं जिला उज्जैन स्थित सर्वे नंबर 3664/1, 3666/1, 3690/1/1 एवं 3691/1, कुल लगभग 1.877 हेक्टेयर भूमि वर्ष 1950 के राजस्व अभिलेखों में फ्पट्टा तकायमी कारखानाफ् के रूप में शासकीय भूमि दर्ज थी।

बस किराया बढ़ाने पर निर्णायक आर-पार की तैयारी

26 जुलाई को सागर में जुटेंगे प्रदेशभर के बस संचालक, हड़ताल की रणनीति बनेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में बस किराया बढ़ाने की मांग अब निर्णायक दौर में पहुंचती दिखाई दे रही है। लगातार आश्वासनों के बावजूद किराया संशोधित नहीं होने से नाराज मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन ने 26 जुलाई को सागर में प्रदेश स्तरीय बैठक बुलाई है। बैठक में प्रदेश के सभी 55 जिलों से कम से कम पांच-पांच प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें किराया वृद्धि, 7 जुलाई को प्रकाशित राजपत्र में राष्ट्रीयकरण की स्कीम सहित बस संचालकों से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

एसोसिएशन के महामंत्री जय कुमार जैन ने बताया कि बैठक सागर के भोपाल रोड स्थित आदर्श गार्डन (मोतीनगर थाना के पास) में दोपहर एक बजे आयोजित होगी। प्रदेशभर के बस संचालकों की मौजूदगी में सरकार के रुख की समीक्षा की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन और प्रदेशव्यापी हड़ताल की रूपरेखा भी तय की जा सकती है।

पिछले 3-4 महीनों से तीनों सभागारों का एसी सिस्टम पड़ा है ठप

भोपाल के रवींद्र भवन में आरटीआई से बड़ा खुलासा

बंद पड़े एसी, फिर भी मेंटेनेंस के नाम पर कट गया 32 लाख रुपए का बिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

यह मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र रवींद्र भवन है। वही, रवींद्र भवन, जहां मुख्यमंत्री, राज्यपाल और स्टेट गेस्ट से लेकर देश-विदेश के दिग्गज कलाकार शिरकत करते हैं, लेकिन इस वीवीआईपी परिसर के अंदर जाते ही आपको जिस चीज का सबसे पहले अहसास होगा, वह कला या संस्कृति नहीं, बल्कि दमघोंटू गर्मी और जिम्मेदारों की घोर लापरवाही है।

राष्ट्रीय स्तर के इस केंद्र के तीनों प्रमुख सभागारों का सेंट्रल एसी सिस्टम पिछले तीन-चार महीनों से सफेद हाथी बनकर खड़ा है, लेकिन सिस्टम की बेशर्मी देखिए, आरटीआइ से हुए खुलासे

चीख-चीख कर बता रहे हैं कि वर्ष 2023 से सितंबर 2025 के बीच इसी एसी की मरम्मत और मेंटेनेंस के नाम पर सरकारी खजाने से 32 लाख रुपये फूंके जा चुके हैं। हद तो यह है कि सिर्फ 2025 में ही 9 लाख रुपये का बिल काटा गया है। सवाल यह है कि जब एसी महीनों से बंद पड़े हैं, तो यह लाखों रुपये आखिर किसकी जेब ठंडी कर रहे हैं?

1500 की क्षमता और किराए के चंद एसी का मजाक

रवींद्र भवन में 1500 सीट वाला हंसध्वनि, 500 सीट वाला अंजनी और 212 सीट वाला गौरांजनी सभागार मौजूद है। यहां रोज कोई न कोई बड़ा आयोजन होता है। सेंट्रल एसी बंद होने पर जिम्मेदारों ने अपनी नाकामी छिपाने के लिए किराए के एसी का जुगाड़ बिठा दिया। जगह-जगह किराए के एसी टांग दिए गए हैं और उनकी वायरिंग खुलेआम मौत को दावत दे रही है। सुरक्षा के मानकों की धज्जियां उड़ रही हैं और भारी-भरकम सभागार में चंद किराए के एसी ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहे हैं। दर्शक और कलाकार पसीने से तरबतर होकर कार्यक्रम का हिस्सा बनने को विवश हैं। अधिकारी रिकार्ड देखने का बहाना भले ही बना लें, लेकिन रवींद्र भवन की खुली वायरिंग और बंद एसी इस बात का रिकार्ड हैं कि सरकारी पैसों का कैसे बंदरबांट हो रहा है। सवाल सिर्फ 32 लाख का नहीं है, सवाल मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी की उस साख का है, जो इन बंद एसी की घुटन में हर रोज दम तोड़ रही है।

दान प्रक्रिया के लिए शुरू हुई हाईटेक मशीन

महाकाल मंदिर में अब 30 सेकंड में होगी सोना और चांदी की जांच

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के दरबार में हर साल लाखों श्रद्धालु सोना-चांदी और बहुमूल्य आभूषण दान करते हैं। अब इस दान प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए महाकाल मंदिर समिति नई तकनीक का सहारा ले रही है। मंदिर में अत्याधुनिक कैरेटोमीटर मशीन शुरू की गई है, जो महज 30 सेकंड में सोने-चांदी की शुद्धता और कैरेट की जानकारी दे रही है। बाबा महाकाल के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था ऐसी है कि देश-विदेश से आने वाले भक्त खुलकर सोना-चांदी और बहुमूल्य आभूषण अर्पित करते हैं। इन्हीं दान की गई वस्तुओं के मूल्यांकन को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए महाकाल मंदिर समिति ने करीब 15 लाख रुपये की अत्याधुनिक कैरेटोमीटर मशीन खरीदी है। महाकाल मंदिर समिति की सहायक प्रशासक सिम्मी यादव के मुताबिक, यह मशीन एक्स-रे तकनीक पर आधारित है, जो बिना आभूषण को नुकसान पहुंचाए उसकी शुद्धता और कैरेट की जांच करती है। श्रद्धालुओं के सामने ही कुछ ही सेकंड में जांच पूरी होगी और उसी के आधार पर रसीद भी जारी की जाएगी।

मेट्रो एंकर

किसानों को मिलेगी आधुनिक खेती की नई ताकत

मप्र के हर विधानसभा में खुलेगी कृषि यंत्र किराये की दुकान

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर राज्य की प्रत्येक विधानसभा में कम से कम एक कृषि यंत्र किराये की दुकान अनिवार्य रूप से स्थापित की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को कम लागत पर आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें महंगे कृषि यंत्र खरीदने की आवश्यकता न पड़े। राज्य में फिलहाल 5260 कृषि यंत्र किराया केंद्र संचालित हैं, जबकि अब हर वर्ष 1060 नए केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

युवा उद्यमियों के लिए भी खुल रहे अवसर

संजय उद्योग के संचालक विष्णु शर्मा ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 में कोरोना काल के दौरान कृषि उपकरण निर्माण का काम शुरू किया था। शुरुआत में ही किसानों का अच्छा सहयोग मिला और आज उनका कारोबार करीब 50 लाख रुपये सालाना तक पहुंच गया है। उनका मानना है कि यदि सरकार प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता का दायरा बढ़ाए तो इस क्षेत्र में और अधिक युवा उद्यमी आगे आ सकते हैं। वहीं, किसान इंडस्ट्रीज और एग्रो स्मार्ट टेक्नोलॉजी जैसी इकाइयां भी खेती के हर चरण—जुताई, बुवाई, रोपाई और कटाई—के लिए जरूरी उपकरण तैयार कर रही हैं। इन कंपनियों का कहना है कि आधुनिक कृषि यंत्रों की मांग लगातार बढ़ रही है और किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उत्पादन भी बढ़ाया जा रहा है।

सरकार की इस पहल के साथ ही मध्यप्रदेश कृषि यंत्र निर्माण के क्षेत्र में भी तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। विदिशा जिला इसका प्रमुख उदाहरण बनकर उभरा है। यहां करीब 150 कृषि उपकरण निर्माण इकाइयां संचालित हैं, जहां ग्रेडर, लेवलर, हाइड्रोलिक ट्रॉली, कल्टीवेटर, प्लाऊ और अन्य आधुनिक कृषि उपकरण तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों की मांग केवल मध्यप्रदेश या देश के अन्य राज्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि मेडागास्कर, नाइजीरिया, सूडान, यूगांडा, घाना, अल्जीरिया, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश समेत कई देशों तक पहुंच चुकी है। विदिशा के उद्योगपति मानस गुप्ता ने बताया कि उनकी कंपनी वर्ष 1993 से कृषि यंत्रों का निर्माण कर रही है। छोटे स्तर से शुरू हुआ यह कारोबार आज करोड़ों रुपये

गतिरोध टूटे, संवाद आगे बढ़े

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संवाद है, टकराव नहीं। संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है, जहां जनता की उम्मीदें, समस्याएं और समाधान एक साथ आकार लेते हैं। ऐसे समय में जब संसद का सत्र चल रहा हो और दूसरी ओर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी हों, तब यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अड़े रहने के बजाय बातचीत का रास्ता तलाशें। लंबे समय तक बना गतिरोध न केवल संसदीय कार्यवाही को प्रभावित करता है, बल्कि जनता के मन में भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति निराशा पैदा करता है।

विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से कठिन सवाल पूछे, जवाबदेही तय करे और जनता की आवाज संसद तक पहुंचाए। इसी तरह सरकार का कर्तव्य है कि वह विपक्ष की बात सुने, असहमति को लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा माने और हर विरोध को राजनीतिक चुनौती भर समझने के बजाय उसके पीछे की चिंताओं को भी समझे। लोकतंत्र में बहुमत सरकार चलाने का अधिकार देता है, लेकिन संवाद और सहमति की आवश्यकता समाप्त नहीं करता।

जंतर-मंतर लंबे समय से लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक रहा है। यहां अपनी मांगों को लेकर आने वाले लोगों को यह भरोसा होना चाहिए कि उनकी बात सुनी जाएगी। सरकार यदि प्रदर्शनकारियों के प्रति संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाती है तो इससे संवाद का माहौल बेहतर बनेगा। हर आंदोलन का समाधान केवल प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं निकलता, बल्कि विश्वास और बातचीत से निकलता है। सरकार की पहल कई बार तनाव कम करने का सबसे प्रभावी माध्यम बन सकती है।

साथ ही विपक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। संसद लोकतांत्रिक संघर्ष का सबसे प्रभावी मंच है। यदि बहस और चर्चा की जगह लगातार गतिरोध बना रहे, तो सबसे बड़ा नुकसान जनता का होता है। महत्वपूर्ण विधेयक, जनहित के मुद्दे और नीतिगत चर्चाएं पीछे छूट जाती हैं। विपक्ष को अपने विरोध का स्वर बनाए रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि संसद की कार्यवाही चलती रहे और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक चर्चा हो।

आज देश अनेक आर्थिक, सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में संसद का सुचारु रूप से चलना केवल राजनीतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है। सरकार यदि संवाद का द्वार खोले और विपक्ष सकारात्मक पहल दिखाए, तो गतिरोध टूट सकता है। लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि मतभेद बने रहें, लेकिन संवाद कभी न टूटे।

देश की जनता टकराव नहीं, समाधान चाहती है। इसलिए समय की मांग यही है कि सरकार, विपक्ष और प्रदर्शनकारी—सभी संवेदनशीलता, संयम और लोकतांत्रिक मर्यादा के साथ आगे बढ़ें। अंततः लोकतंत्र की जीत किसी एक पक्ष की जीत में नहीं, बल्कि संवाद, सहमति और जनहित की विजय में निहित होती है।

कैंसर की महंगी होती दवाएं, जीवन का अधिकार बनाम इलाज की कीमत

सौरभ वार्ष्णेय
स्तंभकार

कैंसर आज केवल एक गंभीर बीमारी नहीं, बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। चिकित्सा विज्ञान ने कैंसर के उपचार में उल्लेखनीय प्रगति की है और नई जीवनरक्षक दवाओं ने लाखों मरीजों को नई उम्मीद दी है। किंतु विडंबना यह है कि इन आधुनिक दवाओं की अत्यधिक कीमतें गरीब और मध्यम वर्ग के लिए इलाज को लगभग असंभव बना देती हैं। ऐसे में प्रश्न केवल चिकित्सा का नहीं, बल्कि जीवन के संवैधानिक अधिकार का बन जाता है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की महंगी दवाओं के मुद्दे पर केंद्र सरकार से जवाब तलब करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अदालत ने उस कैंसर मरीज की मृत्यु पर गहरी चिंता व्यक्त की, जो जीवनरक्षक दवाओं को किफायती बनाने से संबंधित मामले के निर्णय की प्रतीक्षा करते-करते दुनिया से विदा हो गया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह केवल दवाओं की कीमत का विवाद नहीं है, बल्कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को प्राप्त जीवन और गरिमा के अधिकार का प्रश्न है। यह टिप्पणी देश की स्वास्थ्य नीति के लिए एक गंभीर संदेश है कि न्याय में देरी कई बार जीवन की हानि का कारण बन जाती है।

वास्तविकता यह है कि भारत में हर वर्ष लाखों लोग कैंसर से प्रभावित होते हैं। आधुनिक लक्षित और इम्यूनोथेरेपी दवाओं की कीमत कई बार लाखों रुपये प्रति माह तक पहुंच जाती है। अधिकांश परिवार इतनी बड़ी राशि वहन करने में सक्षम नहीं होते। परिणामस्वरूप अनेक लोग अपनी वर्षों की जमा-पूंजी खर्च कर देते हैं, कर्ज लेने पर मजबूर हो जाते हैं, जमीन-जायदाद बेच देते हैं या फिर आर्थिक तंगी के कारण बीच में ही इलाज छोड़ने को विवश हो जाते हैं। ऐसे अनेक मामलों में बीमारी से पहले आर्थिक संकट परिवार को तोड़ देता है।

दूसरी ओर यह भी सत्य है कि नई दवाओं के अनुसंधान, परीक्षण और विकास में दवा कंपनियां अरबों रुपये का निवेश करती हैं। पेटेंट व्यवस्था उन्हें सीमित अवधि तक अपने आविष्कार का आर्थिक लाभ प्राप्त करने का अधिकार देती है, जिससे भविष्य के अनुसंधान को भी प्रोत्साहन मिलता है। इसलिए नवाचार और अनुसंधान की रक्षा आवश्यक है। किंतु जब जीवनरक्षक दवाएं आम नागरिक की पहुंच से बाहर हो जाएं, तब सरकार का दायित्व और भी बढ़ जाता है कि वह जनहित और व्यावसायिक हितों के बीच संतुलन स्थापित करे।

इस दिशा में सरकार को बहुआयामी कदम उठाने होंगे। आवश्यक कैंसर रोधी दवाओं को मूल्य नियंत्रण के दायरे में लाना, गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देना, सरकारी अस्पतालों में इन दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना, आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा बढ़ाना तथा जरूरत पडने पर सार्वजनिक हित में पेटेंट कानूनों के अंतर्गत उपलब्ध प्रावधानों का विवेकपूर्ण उपयोग करना समय की मांग है। साथ ही, देश में दवा अनुसंधान और घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित कर आयात पर निर्भरता कम करना भी दीर्घकालिक समाधान का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि न्यायपालिका केवल कानून की व्याख्या करने वाली संस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की संरक्षक भी है। स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में समय पर निर्णय अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि यहां विलंब का अर्थ कई बार किसी व्यक्ति का जीवन समाप्त हो जाना होता है। इसलिए ऐसे मामलों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष व्यवस्था की आवश्यकता है।

एक लोकतांत्रिक और कल्याणकारी राष्ट्र की पहचान केवल आर्थिक विकास से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और गंभीर बीमारी से जूझ रहे नागरिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान कर पाता है। कैंसर की दवाएं कोई विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन बचाने का अनिवार्य साधन हैं। इसलिए सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा समुदाय और न्यायपालिका—सभी को मिलकर ऐसा संतुलित और मानवीय समाधान विकसित करना होगा, जिसमें अनुसंधान और नवाचार भी सुरक्षित रहें तथा कोई भी मरीज केवल आर्थिक अभाव के कारण जीवनरक्षक उपचार से वंचित न रह जाए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य को खर्च नहीं, बल्कि निवेश माना जाए। जब जीवन बचाने वाली दवाएं हर जरूरतमंद तक किफायती कीमत पर पहुंचेंगी, तभी संविधान में निहित जीवन के अधिकार की वास्तविक भावना साकार होगी और भारत एक संवेदनशील, समावेशी एवं उत्तरदायी स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा सकेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बदलती दुनिया में फाइनेंशियल स्थिरता की सुरक्षा के लिए आ गया 'जॉब लॉस कवर'

अमरनाथ सक्सेना
इंश्योरेंस एक्सपर्ट

आज की तेज़ी से बदलती दुनिया में, फाइनेंशियल सेक्योरिटी अब आपके स्वास्थ्य, जीवन या आपकी कार जैसे मूल्यवान एसेट की सेक्योरिटी तक सीमित नहीं है। जहां हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस आपके परिवार के भविष्य को सुरक्षित करता है, और मोटर इंश्योरेंस आपके वाहन की सुरक्षा करता है, वहीं एक ऐसा रिस्क भी है जिसे अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है- और वह है अचानक नौकरी छूट जाने का संकट। नौकरी का छूटना, चाहे वह ले ऑफ के कारण हो या अचानक आई स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से, आपकी नियमित आय में बाधा डाल सकता है और आपकी आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर सकता है। जॉब लॉस कवर का उद्देश्य इसी फाइनेंशियल कमी को दूर करना है। यह आपको एक ऐसा सुरक्षा कवच प्रदान करता है जो आपके अगले करियर अवसर तक आपकी आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करने में मदद करता है।

जॉब लॉस कवर क्या है?: जॉब लॉस कवर एक विशेष इंश्योरेंस लाभ है जो आपकी इच्छा के बिना नौकरी छूट जाने की स्थिति में आपको फाइनेंशियल सहायता प्रदान करता है। इसका मतलब है ऐसी स्थितियों में नौकरी जाना जो आपके नियंत्रण में न हों, जैसे कंपनियों का मर्जर, अधिग्रहण, कॉस्ट-कटिंग या ऑपरेशन बंद करना। यह उन स्थितियों को भी कवर करता है जब किसी बीमारी या चोट की वजह से आप अपनी नौकरी जारी नहीं रख पाते। इस लाभ का भुगतान आमतौर पर मासिक किश्तों के रूप में किया जाता है, जो चुने गए कवर और अवधि के अनुसार आपको कुछ समय के लिए आय का सहारा प्रदान करता है।

जॉब लॉस कवर की प्रमुख विशेषताएं: यह प्लान विशेष रूप से उन वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए है जो सीधे कंपनी के पेरोल पर हैं; इसमें अस्थायी, कॉन्ट्रैक्चुअल और प्रोबेशनरी कर्मचारियों को शामिल नहीं किया गया है। अगर मर्जी के बिना नौकरी छूटती है, तो तय की गई राशि हर महीने तब तक दी जाती है जब तक कि इंश्योर्ड व्यक्ति द्वारा चुने गए महीनों की अवधि पूरी न हो जाए या उसे नई नौकरी न मिल जाए, इनमें से जो भी पहले हो। भुगतान शुरू होने से पहले एक प्रतीक्षा अवधि होती है। अगर आपकी कंपनी आपको सेवरेंस पे या नोटिस पीरियड के बदले वेतन देती है, तो ओवरलैपिंग लाभों से बचने के लिए इंश्योरेंस भुगतान को एडजस्ट किया जाता है। कवरेज की अधिकतम लिमिट आपके मासिक वेतन के एक निश्चित प्रतिशत, आमतौर पर लगभग 70% तक सीमित होती है, भले ही आपके पास एक से अधिक पॉलिसी क्यों न हों. यही कारण है कि जॉब लॉस कवर एक बहुत ही व्यावहारिक और मददगार प्लान बन जाता है, जो करियर में बदलाव के मुश्किल समय में आपको स्थिर फाइनेंशियल सहायता प्रदान करता है।

यह कवर होने से अचानक आने आर्थिक संकटों का सामना और भी बेहतर तरीके से कर सकते हैं। अगर आपके पास यह कवर नहीं है, तो अचानक नौकरी जाने से आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। किराया, श्वस्थ्य और बच्चों की स्कूल फीस जैसे ज़रूरी खर्चों को रोका नहीं जा सकता, इसलिए यह सुरक्षा होना बहुत ज़रूरी है। ऐसे मामलों में, लोग अक्सर केवल अपनी बचत पर निर्भर रहते हैं, लेकिन अगर नौकरी मिलने में देरी हो जाए, तो वह पैसा बहुत जल्दी खत्म हो सकता है। हालांकि, जॉब लॉस कवर होने से आपके पास एक सुरक्षित विकल्प रहता है, जो आपको हर महीने किश्तों में भुगतान देता है। यह इंश्योरेंस अवधि के दौरान आपको आर्थिक रूप से मजबूत रखता है ताकि आप बिना किसी तनाव के नई नौकरी की तलाश कर सकें। इस लगातार सहयोग से आप अपनी बचत को खर्च किए बिना अपने बुनियादी खर्चे पूरे कर सकते हैं। यह आपको वह मानसिक शांति और भरोसा देता है जिससे आप आर्थिक तंगी की परवाह किए बिना फिर से रोजगार पाने की कोशिश कर सकते हैं। संक्षेप में, जॉब लॉस कवर यह सुनिश्चित करता है कि कुछ समय के लिए आय रुकने का असर आपके भविष्य के बड़े प्लान्स पर न पड़े।

जॉब लॉस कवर में कुछ खास एक्सक्लूज़न होते हैं, जो यह तय करते हैं कि आप कब क्लेम का लाभ ले सकते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सहायता केवल उन वास्तविक मामलों में मिले जहां नौकरी आपकी मर्जी के बिना गई हो। यह उन स्थितियों में लागू नहीं होता जहां आप अपनी इच्छा से नौकरी छोड़ते हैं, जैसे कि इस्तीफा देना या रिटायर होना, क्योंकि ये आपके स्वैच्छिक फैसले

हैं. ठीक इसी तरह, अगर किसी को गलत व्यवहार, धोखाधड़ी या अनुशासन तोड़ने की वजह से नौकरी से निकाला जाता है, तो उसे भी कवर नहीं दिया जाता है, क्योंकि ये आपकी अपनी गलतियों की वजह से हुए नुकसान माने जाते हैं. इसके अलावा, हड़तालों, श्रम विवादों या मैटरनिटी या पैटर्निटी लीव न बढ़ाए जाने के कारण होने वाली बेरोजगारी को भी इस कवर में शामिल नहीं किया जाता है, क्योंकि इन स्थितियों को अचानक होने वाली बेरोजगारी नहीं माना जाता है। अंत में, कवर केवल भारत के भीतर नौकरियों पर लागू होता है, जिसका मतलब है कि देश के बाहर रोजगार के नुकसान को कवर नहीं किया जाता है। इन एक्सक्लूज़न का उद्देश्य इस कवर को सिर्फ स्थाई नौकरी में आने वाली उन अचानक और बड़ी रुकावटों तक सीमित रखना है जिन्हें टाला न जा सके, न कि उन स्थितियों के लिए जो आपकी अपनी मर्जी से हों या जिनके बारे में पहले से पता हो.

कुल मिलाकर, जॉब लॉस कवर लेना आपके भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के प्रति एक जिम्मेदारी भरा कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि अचानक नौकरी जाने जैसा कोई संकट आपके फाइनेंशियल प्लान को खराब न करें। यह अनिश्चितता के समय में आपको सुरक्षा का भरोसा देता है और मानसिक शांति बनाए रखता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

बारिश में आंखों के इंफेक्शन का खतरा, सुरक्षा के लिए सावधानी जरूरी

बारिश का मौसम कई तरह के वायरल और बैक्टीरियल इंफेक्शन के लिए भी अनुकूल माना जाता है। इसी दौरान आंखों से जुड़ी समस्याएं जैसे आंखों का लाल होना, खुजली, पानी आना और कंजंक्टिवाइटिस के मामले भी बढ़ जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, केवल आसमान से गिरने वाला ताजा बारिश का पानी हमेशा संक्रमण का कारण नहीं होता, लेकिन वातावरण में मौजूद प्रदूषण, धूल, बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों के संपर्क में आने के बाद यही पानी आंखों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है।

सामान्य परिस्थितियों में बारिश का पानी स्वयं संक्रमण पैदा नहीं करता। एनसीबीआई के अनुसार बारिश का पानी जब प्रदूषित वातावरण, धूल, वाहन के धुएं, गंदे जलभराव या संक्रमित सतहों के संपर्क में आता है, तब इसमें मौजूद सूक्ष्मजीव आंखों तक पहुंच सकते हैं। यदि व्यक्ति पहले से आंखों की एलर्जी, ड्राई आई, कॉर्निया की चोट या कॉन्टैक्ट लेंस पहनता है, तो संक्रमण का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। यही कारण है कि बारिश में भीगने के बाद आंखों में जलन या लालिमा महसूस होने पर लापरवाही नहीं करनी चाहिए।

साइंस डायरेक्ट के अनुसार मानसून में सबसे अधिक देखा जाने वाला संक्रमण वायरल कंजंक्टिवाइटिस है। इसमें आंखें लाल हो जाती हैं, लगातार पानी आता है, जलन और खुजली होती है। यह संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल सकता है। इस संक्रमण में आंखों से पीला या हरा चिपचिपा डिस्चार्ज निकल सकता है। सुबह उठने पर पलकों का चिपक जाना इसका सामान्य लक्षण है। समय पर इलाज न होने पर संक्रमण बढ़ सकता है।

अगर बारिश का पानी आंखों में चला जाए तो आंखों को रगड़ें नहीं। साफ पानी या स्टेराइल सलाइन से आंख धोएं। यदि आप कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं, तो बारिश का पानी लगने के बाद उन्हें तुरंत निकालें और दोबारा तभी पहनें जब आंख पूरी तरह सामान्य हो जाए। आंखों में लगातार जलन या लालपन होने पर स्वयं दवा न लें।पर्याप्त पानी पीएं ताकि आंखों की नमी बनी रहे।बाहर निकलते समय जरूरत पड़ने पर चश्मे का उपयोग करें।आंखों में डॉक्टर की सलाह के बिना कोई ड्रॉप न डालें। यदि 24 घंटे से अधिक समय तक आंख लाल रहे, दर्द हो, धुंधला दिखाई दे या पस आने लगे, तो तुरंत नेत्र रोग विशेषज्ञ से जांच करानी चाहिए।

सही स्वच्छता और समय पर उपचार अपनाकर मानसून में आंखों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

निशाना

खता बार बार मत करना..!

धर्मराज देशराज

ज़िन्दगी बेक़रार मत करना
इक ख़ता बार-बार मत करना।
बेवफ़ा वो कहीं न हो जाये
हद से ज्यादा भी प्यार मत करना।
तेरा दुश्मन जहां न हो जाये
काम ऐसा तू यार मत करना।
ज़िन्दगी मौत की उधारी है
ज़िन्दगी से क़रार मत करना।
ज़िन्दगी ग़ुल की ख़ार होते हैं
तुम जुदा ग़ुल से ख़ार मत करना।
टूटकर प्यार ज़िन्दगी से करो
मौत का इंतज़ार मत करना।
ज़िन्दगी ग़मगुसार कीजे 'धरम'
ज़िन्दगी शर्मसार मत करना।

वायरल कंटेंट

महिला ने बॉस को किडनी दे बचाई जान प्रमोशन की जगह मिली प्रताड़ना

सोशल मीडिया पर इन दिनों साल 2011 से जुड़ा एक पुराना मामला चर्चा में है। यह कहानी अमेरिका की एक महिला कर्मचारी डेबी स्टीवंस की है, जिसने अपनी बॉस की जान बचाने के लिए ऐसा फैसला लिया, जिसकी हर तरफ सराहना हुई, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने लोगों को हैरान कर दिया।

दावों के अनुसार, डेबी ने अपनी बॉस जैकी ब्रूसिया के लिए किडनी दान करने की प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। हालांकि उनकी किडनी सीधे तौर पर मैच नहीं हुई, लेकिन उन्होंने पेयर्ड किडनी एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत एक अन्य जरूरतमंद मरीज को अपनी किडनी दान की। इसके बदले उनकी बॉस को डोनर चेन के माध्यम से उपयुक्त किडनी मिल गई और उनका ट्रांसप्लांट संभव हो सका। हालांकि, इस मानवीय कदम के बाद डेबी का दावा था कि उन्हें वर्क प्लेस पर सहयोग और सम्मान नहीं मिला।

किडनी दान करने के बाद डेबी को रिकवरी के दौरान कई शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उन्हें लगातार दर्द और नसों से जुड़ी तकलीफ महसूस हुई, जिसके कारण उन्हें डॉक्टर की सलाह पर कुछ समय आराम करना पड़ा। ऐसे मामलों में सर्जरी के बाद रिकवरी के लिए छुट्टी लेना सामान्य माना जाता है, लेकिन डेबी का आरोप था कि उनके साथ ऑफिस में इस अवधि को लेकर अच्छा व्यवहार नहीं किया गया।

प्रताड़ना का लगाया आरोप: डेबी ने आरोप लगाया कि उनकी बॉस ने उनकी रिकवरी अवधि को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने दावा किया कि उन्हें छुट्टियां लेने पर ताने दिए गए, उनकी स्थिति को लेकर संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई और कार्यस्थल पर उनके साथ कठोर व्यवहार किया गया। डेबी ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें आवश्यक ब्रेक तक देने में परेशानी पैदा की गई। उनका ट्रांसफर एक ऐसे ब्रांच में कर दिया गया, जो उनके घर से लगभग 50 मील दूर था। डेबी ने जब अपने साथ हुए कथित व्यवहार की शिकायत कंपनी प्रबंधन और संबंधित सरकारी एजेंसी से की तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। मामला अदालत तक पहुंच गया। अंततः बाद में दोनों पक्षों के बीच गोपनीय समझौता हुआ, जिसके बाद मामला समाप्त कर दिया गया।

न्यू इनिशिएटिव

फोन पर आया लेबर चौक ऐप , एक क्लिक में मिल सकेंगे मिस्त्री और कारीगर

लेबर चौक नाम से सभी परिचित होते हैं। वही जगह जहां अलग-अलग तरह के मिस्त्री और कारीगर काम की तलाश में खड़े मिलते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार अब उसी लेबर चौक को फोन पर लाई है। सरकार ने यूपी डिजिटल लेबर चौक के नाम से नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। यह निर्माण श्रमिकों को रोजगार और सरकारी योजनाओं से जोड़ने के काम आएगा। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा तैयार इस ऐप ने श्रमिकों के लिए लेबर चौक पर खड़े होने की जरूरत को ही खत्म कर दिया है। इतना ही नहीं इस ऐप की मदद से श्रमिकों को सिर्फ रोजगार ही नहीं बल्कि कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ भी मिलेगा।

मोबाइल ऐप श्रमिकों और नियोक्ताओं के लिए सीधा संपर्क बिल्डरों, ठेकेदारों, निर्माण एजेंसियों और निजी मालिकों को सीधे कुशल मजदूरों से जोड़ने का काम करता है। यूजर ऐप पर रजिस्ट्रेशन करके श्रमिकों को काम के लिए बुक कर सकेंगे। इसी तरह, रजिस्टर्ड निर्माण श्रमिक भी ठेकेदारों से सीधा संपर्क करके रोजगार पा सकेंगे। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से मजदूरों का समय और मेहनत दोनों बचेंगे। वहीं जिन्हें श्रमिकों की जरूरत होगी वे भी बिना किसी बिचौलिए के सही और हुनरमंद मजदूर ढूंढ सकेंगे।

सरकारी योजनाओं का मिलेगा लाभ: अक्सर देखा गया है कि कई निर्माण श्रमिकों को उनके कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी नहीं होती। इस समस्या को ये ऐप पूरी तरह खत्म कर देगा। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की सभी योजनाओं की विस्तृत जानकारी ऐप पर उपलब्ध रहेगी। श्रमिक अपनी योग्यता को जांचकर सीधे मोबाइल से ही योजनाओं के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और सहायता राशि या अन्य लाभ सीधे उन तक पहुचेंगे। इस ऐप से मजदूरों को सशक्त और जागरूक बनने में आसानी होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार प्रयागराज क्षेत्र के उप श्रम आयुक्त सुमित कुमार ने सभी निर्माण श्रमिकों और उन्हें काम पर रखने वालों से इस ऐप का लाभ उठाने की अपील की है।

न्यूज विंडो

100 फीट लंबे तिरंगे के साथ सेठानी घाट पर मनाया तिरंगा अंगीकरण दिवस

नर्मदापुरम। भारत की आन, बान और शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के अंगीकरण दिवस पर नर्मदापुर युवा मंडल के तत्वावधान में सेठानी घाट पर आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों और नागरिकों ने 100 फीट लंबे तिरंगे के साथ राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। इस दौरान पूरा सेठानी घाट भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से गूंज उठा। नर्मदापुर युवा मंडल द्वारा पिछले 15 वर्षों से लगातार तिरंगा अंगीकरण दिवस मनाया जा रहा है। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में लोगों ने तिरंगे को हाथों में थामकर देशभक्ति के नारे लगाए और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बच्चों की विशेष भागीदारी रही, जिन्हें तिरंगे के महत्व और राष्ट्रध्वज के सम्मान के बारे में जानकारी दी गई। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं नर्मदापुर युवा मंडल के अध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। तिरंगा पूरी दुनिया में भारत की पहचान है, इसलिए नई पीढ़ी को इसके महत्व से जोड़ने के उद्देश्य से बच्चों को भी इस आयोजन में शामिल किया गया। युवा मंडल के मनीष परदेशी ने बताया कि इस पहल की शुरुआत 14 वर्ष पहले हुई थी, जो अब अपने 15वें वर्ष में एक मजबूत जन-अभियान का रूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि आयोजन का उद्देश्य समाज में राष्ट्रप्रेम और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत करना है। उनके अनुसार, नर्मदापुरम संभवतः देश का ऐसा जिला है, जहां हर वर्ष इस तरह अनूठे अंदाज में तिरंगा अंगीकरण दिवस मनाया जाता है।

बालागंज में 71 हजार की शराब और स्कूटी जब्त, तीन पर केस दर्ज

नर्मदापुरम। जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नर्मदापुरम शहर के बालागंज क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान 155 पाव देशी एवं विदेशी शराब और स्कूटी जब्त की गई। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत तीन प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान में जब्त शराब और वाहन की कुल अनुमानित कीमत करीब 71,800 रुपये बताई गई है। कार्रवाई का नेतृत्व सहायक जिला आबकारी अधिकारी एवं वृत्त प्रभारी रमेश अहिरवार ने किया। अभियान में सहायक जिला आबकारी अधिकारी राहुल कुमार ढोके, अशोक माहोरे, अभिलाष पाठक तथा आबकारी उपनिरीक्षक के.के. पड़रिया, हितेश बिशोरिया और रघुवीर प्रसाद निमोदा सहित आबकारी अमले ने सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस विभाग की टीम ने भी कार्रवाई में सहयोग किया। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा।

कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मिला सफलता का मंत्र

औबेदुल्लागंज। गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत शासकीय सांदीपनि विद्यालय औबेदुल्लागंज में कॅरियर मार्गदर्शन एवं प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य चंद्रावती अतुलकर ने की। मुख्य अतिथि अनीता धाकड़ रहीं। इस अवसर पर प्रत्युष पाल, दीपिका जाटव एवं पुष्पेंद्र धाकड़ ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, करियर के अवसर, समय प्रबंधन एवं व्यक्तित्व विकास की जानकारी देते हुए लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर मेहनत करने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया और कार्यक्रम को भविष्य के लिए उपयोगी बताया।

छिंदवाड़ा में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान आपत्तिजनक नारे लगे

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा शहर में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित और आपत्तिजनक नारे लगाए जाने का मामला सामने आया है। इससे एक दिन पहले मंगलवार को भी प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं पर अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप लगे थे। गत दिवस भी ऐसे ही नारों के वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

समर्थन मूल्य की मूंग में फिर बड़ा घोटाला: कई जिम्मेदार एजेंसियां जांच के घेरे में

62,862 बोरियों की जांच में गड़बड़ी, मूंग में मिली मिट्टी, कनकधारा वेयरहाउस सील

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में समर्थन मूल्य पर खरीदी गई मूंग के भंडारण में एक बार फिर बड़ी अनियमितता सामने आई है। माखननगर स्थित कनकधारा वेयरहाउस में भंडारित करोड़ों रुपए मूल्य की मूंग की बोरियों में मिट्टी और कचरा मिलाने का मामला उजागर हुआ है। संयुक्त जांच दल को कई बोरियों में निर्धारित मानकों से अधिक मिट्टी मिली, जबकि कुछ बोरियां पूरी तरह मिट्टी से भरी पाई गईं। गंभीर अनियमितता सामने आने के बाद वेयरहाउस को तत्काल सील कर दिया गया है। मामले में वेयरहाउस संचालक, मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन (एमपीडब्ल्यूएलसी) और सरकारी खरीदी करने वाली समितियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गठित संयुक्त जांच दल ने कनकधारा वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान मूंग के विभिन्न लॉट की गहन पड़ताल की गई, जिसमें लगभग सभी स्टैक में गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामियां मिलीं। अधिकारियों ने मौके से नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिए हैं। संयुक्त जांच दल ने वेयरहाउस को सील करते हुए स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने वाले वेयरहाउस संचालक और अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ वैधानिक और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही भंडारण व्यवस्था और खरीदी प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों एवं संस्थाओं की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। कलेक्टर को कनकधारा वेयरहाउस, माखननगर और कनक वेयरहाउस, सेमरी हरचंद में रखी मूंग में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। इसके बाद एसडीएम (राजस्व) की अध्यक्षता में जिला आपूर्ति अधिकारी, उप संचालक कृषि और जिला विपणन अधिकारी का संयुक्त जांच दल गठित किया गया। जांच में सरकारी भंडारित मूंग में मिट्टी मिलाने की पुष्टि हुई। जिला विपणन अधिकारी अनिल जैन ने बताया कि वेयरहाउस में वर्ष 2023-24 और 2024-25 में समर्थन मूल्य पर खरीदी गई मूंग रखी गई थी। वर्ष 2023 की खरीदी लक्ष्मी स्व सहायता समूह तथा वर्ष 2024 की खरीदी सेवा सहकारी समिति बहाड़पुर ने की थी। वेयरहाउस में कुल 62,862 बोरियां, यानी करीब 27 हजार क्विंटल मूंग भंडारित है। इनमें 29,927 बोरियां वर्ष 2023-24 की हैं, जबकि शेष वर्ष 2024-25 की हैं। जांच में लगभग सभी स्टैक में मिलावट पाई गई। भंडारित मूंग का कुल मूल्य करीब 21.12 करोड़ रुपये बताया गया है।

गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि शासकीय योजनाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों और संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। कार्रवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर सरोज परिहार, एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह, उप संचालक कृषि रविकांत सिंह, जिला विपणन अधिकारी अनिल जैन, एमपीडब्ल्यूएलसी के शाखा प्रबंधक वासुदेव डवडे, नेफेड के प्रतिनिधि तथा तहसीलदार माखननगर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पहले भी सामने आ चुका है करोड़ों की मूंग चोरी का मामला

गौरतलब है कि करीब पांच महीने पहले भी माखननगर ब्लॉक के एकलव्य वेयरहाउस, गोरा से सरकारी मूंग चोरी का बड़ा मामला सामने आया था। उस मामले में करीब 4 करोड़ रुपये मूल्य की 9,900 बोरियां मूंग बेच दी गई थीं और उनकी जगह बोरियों में मिट्टी व रेत भर दी गई थी। जांच में सामने आया था कि चोरी की गई मूंग इटारसी स्थित एक निजी उद्योग में खपाई गई थी। अब एक बार फिर सामने आई इस गड़बड़ी ने सरकारी खरीदी और भंडारण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

निराकरण में लापरवाही बरतने वाले 17 अधिकारियों को नोटिस जारी

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिले मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। जून 2026 की शासन स्तरीय जिला रैंकिंग में नरसिंहपुर को 78.51 अंक मिलने के बाद कलेक्टर रजनी सिंह के निर्देश पर कमजोर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ नोटिस और जुर्माने की कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार कमजोर प्रदर्शन करने वाले सी एवं डी श्रेणी के 17 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बनीं मोनिका चौकसे, संभाला पदभार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मोनिका चौकसे ने भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित समारोह के दौरान विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका पुष्पमालाओं और पुष्पगुच्छों से स्वागत कर शुभकामनाएं दीं।

समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने कहा कि भाजपा में पद से अधिक कार्यकर्ता का दायित्व महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने महिलाओं को संगठन में 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देकर मातृशक्ति को सशक्त भूमिका प्रदान की है। उन्होंने विश्वास जताया कि मोनिका चौकसे अपने नए दायित्व का सफल निर्वहन करते हुए महिला मोर्चा को बूथ स्तर तक मजबूत और सक्रिय बनाएंगी। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मोनिका चौकसे ने कहा कि महिला मोर्चा को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के लिए संगठित प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महिला मोर्चा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम का संचालन कीर्ति वर्मा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन ममता नागवंशी ने किया। समारोह में प्रदेश मंत्री राजो मालवीय, पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा, जिला महामंत्री ज्योति चौरे, जिला उपाध्यक्ष अर्चना साहू, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष अर्चना पुरोहित, जिला कार्यालय मंत्री वंदना दुबे सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी, महिला मोर्चा की जिला एवं मंडल पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का बाघ पखवाड़ा अभियान तेज

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर पर्यटन को लेकर 6,887 लोगों को किया जागरूक

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस 2026 के उपलक्ष्य में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व द्वारा 16 से 29 जुलाई तक बाघ पखवाड़ा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य आमजन को बाघ संरक्षण, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा तथा जिम्मेदार पर्यटन के प्रति जागरूक करना है। इसी क्रम में 22 जुलाई को ग्राम खापा, दौड़ी, झुनकर और चनागढ़ की इको विकास समितियों में सतपुड़ा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एसडीओ आशीष खोबरागडे ने बताया कि कार्यक्रम में 55 ग्रामीणों को बाघ संरक्षण के महत्व और मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के उपायों की जानकारी दी गई। वहीं, पचमढ़ी के शैलांजली बैरियर पर 110 पर्यटकों को प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, पर्यावरण संरक्षण अपनाने तथा पर्यटन क्षेत्र के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। अभियान के तहत प्राथमिक शाला डोकरीखेड़ा, शासकीय माध्यमिक शाला रैयतवाड़ी, प्राथमिक शाला झिरिया, पीएम श्री कन्या शाला सोहागपुर तथा शासकीय कन्या शाला भौरा के 452 विद्यार्थियों को बाघों के महत्व, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया। विद्यार्थियों को सतपुड़ा साथी के रूप में वन्यजीव संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा पिपरिया के व्यस्ततम दुर्गा मंदिर चौराहे पर लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से 29 जुलाई तक बाघ संरक्षण संबंधी जागरूकता संदेशों का प्रसारण किया जा रहा है। इस मार्ग से बड़ी संख्या में पर्यटक पचमढ़ी की ओर जाते हैं, जिससे जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ व्यापक जनजागरूकता भी सुनिश्चित की जा रही है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अनुसार, बाघ पखवाड़ा अभियान के तहत अब तक 6,887 लोगों एवं छात्र-छात्राओं को बाघ संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा चुका है। अभियान 29 जुलाई तक विभिन्न गतिविधियों के साथ जारी रहेगा।

अनार से लदे ट्रक में लगी आग

सिवनी। दोपहर मेट्रो

जिले के धूमा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बंजारी घाटी के पास देर रात अनार से लदे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। चालक और परिचालक ने समय रहते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचा ली। घटना में ट्रक और उसमें भरा अनार पूरी तरह जलकर राख हो गया।

पुलिस ने सटोरियों को दबोचा

पांढुर्णा। दोपहर मेट्रो

जिले के तिगांव बस स्टैंड पर लंबे समय से चल रहे अवैध सट्टे के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सटोरियों को भनक न लगे, इसके लिए पुलिस टीम निजी कारों और सिविल ड्रेस में मौके पर पहुंची। अचानक हुई इस छापेमारी में सट्टा लिख रहे तीन सटोरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

मेट्रो एंकर यात्रा के समापन पर हुआ महाप्रसादी वितरण, बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

हरे कृष्ण महामंत्र के जयघोष के साथ निकली रथयात्रा, जगन्नाथमय हुआ नगर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भक्ति वेदांत विद्याभवन (गुरुकुल) के तत्वावधान में भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा महारानी की रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ नगर में निकाली गई। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम, हरे राम, राम राम हरे हरे महामंत्र का संकीर्तन किया। यात्रा मार्ग भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा और पूरा नगर जगन्नाथमय नजर आया।

रथयात्रा वीर सावरकर चौक से प्रारंभ होकर जय स्तंभ होते हुए बरेठ रोड स्थित रघुवंशी धर्मशाला पहुंची, जहां श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी (भोजन प्रसादी) का आयोजन किया गया। यात्रा में देश-विदेश से आए भक्तों की सहभागिता भी आकर्षण का केंद्र रही।

इस अवसर पर भक्ति वेदांत विद्याभवन द्वारा प्रस्तावित राधाकृष्णपुरम कॉलोनी बरेठ रोड पर बनने वाले गुरुकुल भवन की जानकारी भी श्रद्धालुओं को दी गई। बताया गया कि संस्था का उद्देश्य आधुनिक शिक्षा के साथ वैदिक संस्कृति एवं संस्कारों से युक्त शिक्षा प्रदान करना है। संस्था वर्तमान में देशभर के 22 गुरुकुलों के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा, आवास एवं भोजन उपलब्ध करा रही है तथा मध्यप्रदेश में विदिशा सहित अन्य स्थानों पर भी गुरुकुल निर्माण की योजना पर कार्य चल रहा है। भूमिदानकर्ता राजेश माथुर प्रभु (गजपति महाराज) सहित अनेक श्रद्धालुओं एवं दानदाताओं ने गुरुकुल निर्माण में सहयोग का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के आदर्शों एवं उनके हर नगर में एक गुरुकुल के संकल्प को साकार करने का संदेश भी दिया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ से विश्व कल्याण एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण की प्रार्थना की।

न्यूज विंडो

विद्यार्थियों को मिला लोकतंत्र की कार्यप्रणाली जानने का अवसर

नरसिंहपुर। आमगांव, नयाखेड़ा एवं बुधवार शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए दिन यादगार बन गया, जब उन्हें मध्यप्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह भ्रमण पूर्व राज्यमंत्री एवं क्षेत्र के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि जालम सिंह पटेल के सहयोग एवं विशेष पहल से संपन्न हुआ पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने स्वयं के व्यय से यह पहल करते हुए आवश्यक अनुमति की प्रक्रिया पूरी कराई तथा यात्रा की संपूर्ण व्यवस्था अपने स्तर पर सुनिश्चित की। इसके बाद विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों का दल बस द्वारा नरसिंहपुर से भोपाल रवाना हुआ। भोपाल पहुंचने पर छात्राओं ने मध्यप्रदेश विधानसभा भवन का भ्रमण किया और उसकी कार्यप्रणाली, इतिहास तथा विधायी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने उन्हें सदन कक्ष, समिति कक्ष तथा मीडिया सेंटर का अवलोकन भी कराया। इस दौरान छात्राओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था और विधान निर्माण की प्रक्रिया को निकट से समझा भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों की मुलाकात कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से भी हुई। उन्होंने छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए शिक्षा, करियर, नेतृत्व और जनसेवा से जुड़े विषयों पर उनके प्रश्नों के उत्तर दिए तथा शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली से अवगत कराया विधानसभा भ्रमण के पश्चात पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ भोजन किया।

सांसद सावित्री ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया से भेंट कर की चर्चा

धार। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री तथा धार-महू लोकसभा क्षेत्र की सांसद सावित्री ठाकुर ने नई दिल्ली में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न समसामयिक, जनहित एवं सांस्कृतिक विषयों पर सार्थक चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र धार की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक धरोहरों के संरक्षण तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उचित पहचान दिलाने के संबंध में महत्वपूर्ण विषय मंत्री के समक्ष रखे। भेंट के दौरान श्रीमती ठाकुर ने भारतीय ज्ञान, विद्या एवं संस्कृति की अधिष्ठात्री मां वाग्देवी (सरस्वती) के सम्मान में स्मारक डाक टिकट (पोस्टल स्टाम्प) जारी किए जाने हेतु केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को अनुरोध पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि धार की ऐतिहासिक भोजशाला केवल एक प्राचीन धरोहर ही नहीं बल्कि भारत की ज्ञान परंपरा, संस्कृति और सभ्यता का गौरवशाली प्रतीक है। माँ वाग्देवी के सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी होने से देशभर में भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति सम्मान और जागरूकता का संदेश जाएगा तथा धार की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्राप्त होगी।

युवा कांग्रेस ने प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

कटनी। कटनी के बड़वारा तहसील मुख्यालय में कांग्रेस और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के विरोध में कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में धरना दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में तेंदूखेड़ा में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

तेंदूखेड़ा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर तहसील ग्राउंड में रात्रि 9 बजे से धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जोरदार ढंग से उठाया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि राहुल गांधी ने छात्रों के हित, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता तथा पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री आवास के समक्ष शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया था। उनका आरोप है कि इसी के बाद राहुल गांधी को गिरफ्तार किया गया, जो लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जब तक राहुल गांधी को रिहा नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। उनका कहना था कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों से देश के लाखों युवाओं और छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है, जिसकी जिम्मेदारी केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय को लेनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के विरोध में नारे लगाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष निलेश यादव, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रामकुमार साहू, पूर्व पार्षद शोभाराम नामदेव, श्रीकांत पोरते, मंडलम अध्यक्ष प्रमोद बेन, गोपाल दुबे, राजू यादव ,गौरव दुबे, आशीष साहू, जितेंद्र यादव सहित कांग्रेसी उपस्थित थे।

तेंदूखेड़ा से जबलपुर जा रहा परिवार हादसे का शिकार, ट्रक चालक की तलाश जारी

ट्रॉले की टक्कर में नवविवाहित युवक की मौत, 7 लोग घायल, 6 जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा-पाटन-जबलपुर स्टेट हाईवे पर बीते दिन सुबह साढ़े 11 बजे पाटन से लगभग तीन किलोमीटर आगे गुरु पिपरिया गांव के समीप एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक युवक ने दम तोड़ दिया और 7 लोग घायल हुए, जिनमें तीन की हालत नाजुक बनी हुई है। जबलपुर की ओर से लोहे के एंगल लेकर आ रहे तेज रफ्तार ट्राले ने सामने से आ रही एक ईको कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्राला कार को लगभग 500 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। इसके बाद दोनों वाहन सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरे। हादसे में ईको कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कार चालक कार में बुरी तरह से फंस गया कार में सवार सभी लोग तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के निवासी हैं जो जबलपुर जा रहे थे

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ईको कार में महिलाएं और दो छोटे बच्चे सहित एक ही परिवार के 6 सवार थे अन्य कार चालक और दोस्त जो तेंदूखेड़ा से जबलपुर जा रहे थे। दुर्घटना के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार कई लोग अंदर फंस गए। हादसे में ईको कार मालिक अजय पिता उत्तम पटेल (25 वर्ष), निवासी मानपुर, थाना तेंदूखेड़ा को गंभीर अवस्था में पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि अजय का विवाह मात्र 15 दिन पहले ही हुआ था,

जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई

घटना की सूचना मिलते ही पाटन थाना पुलिस डायल 112 एवं 108 एंबुलेंस और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कार में फंसे घायलों को बाहर निकालने के का प्रयास किया गया करीब एक घंटे तक राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया। कार की बॉडी को काटने के लिए क्रेन, गैस कटर, लोहे के सब्बल और हथौड़ों की मदद ली गई। साथ ही ट्रैक्टर की कड़ी मशक्कत के बाद सभी घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से पाटन सिविल अस्पताल भेजा गया, अति गंभीर अजय पटेल की पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौत हो गई जहां प्राथमिक उपचार के बाद 6 घायलों को बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किए जाने की जानकारी मिली है।

हादसे में यह हुए घायल

इस हादसे में घायल होने वालों में प्रवीण पिता हल्लेभाई गौड़ (23 वर्ष), अंजना पति प्रवीण गौड़ (21 वर्ष), शिवा पिता प्रवीण गौड़ (2 वर्ष), शिवन्या पिता प्रवीण गौड़ (3 वर्ष) निकेता पिता महेश गौड़ (20 वर्ष), नीतू पिता महेश गौड़ (18 वर्ष), निवासी खगोरिया, थाना तेंदूखेड़ा, तथा प्रांजल पिता नरेश यादव, निवासी वार्ड क्रमांक 4, तेंदूखेड़ा शामिल हैं। बताया गया है कि प्रवीण गौड़ का परिवार मूल रूप से ऊनाडीखेड़ा गांव का निवासी है, जो वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के अंतर्गत विस्थापित होने के बाद वर्तमान में तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 4 में निवास कर रहा है बताया गया है कि प्रवीण अपनी पत्नी की जांच कराने जबलपुर जा रहा था जो ईको कार को किराए से लेकर गया था। पुलिस के अनुसार सभी लोग किसी निजी कार्य से तेंदूखेड़ा से जबलपुर जा रहे थे। पाटन से आगे गुरु पिपरिया गांव के पास जबलपुर की ओर से आ रहे ट्राले से उनकी कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। दुर्घटना की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार को ट्राला काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। घटना के संबंध में पाटन थाना प्रभारी गोपेंद्र सिंह राजपूत में बताया दुर्घटना में कर चालक अजय पटेल की पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौत हो गई 7 लोग घायल हैं जिसमें 6 को जबलपुर रेफर किया गया है। ट्रक को जप्त कर लिया गया है। ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पन्ना जिले के रैपुरा थाने का मामला, हाट में मची अफरातफरी

थाने से पुलिस की बोलेरो लेकर भागा नशेड़ी 6 लोगों को टक्कर मारी, बाइक को घसीटा

पन्ना। दोपहर मेट्रो

जिले के रैपुरा थाने में खड़ी पुलिस की बोलेरो को एक युवक लेकर भाग निकला। उसने साप्ताहिक हाट में तेज रफ्तार में वाहन दौड़ाया। कई गाड़ियों को टक्कर मारी। 6 लोग घायल हो गए। बुधवार शाम करीब सात बजे की इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

जानकारी के अनुसार इमलिया निवासी सुखेंद्र बुंदेला किसी काम से रैपुरा थाने पहुंचा था। वो नशे में था इसलिए पुलिसकर्मियों ने उसे बाहर निकाल दिया। बाहर खड़ी सरकारी बोलेरो में चाबी लगी हुई थी। सुखेंद्र ने गाड़ी स्टार्ट की और कटनी तिराहे की ओर बढ़ा दी। कटनी तिराहे के पास साप्ताहिक हाट लगी थी। सड़क पर काफी

भीड़ थी। सुखेंद्र ने लापरवाही से बोलेरो चलाते हुए कई गाड़ियों को टक्कर मारी। एक मोटरसाइकिल को करीब 200 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। इसके बाद उसने सड़क किनारे खड़ी कार और बस में भी टक्कर मारी। पुलिस ने पीछा कर अवंतिबाई चौक के पास बोलेरो रुकवा ली। सुखेंद्र को थाने ले आए। यहां करीब 150 लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई, जिसने आरोपी से मारपीट की कोशिश की। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद सुखेंद्र को लॉकअप में बंदकर सुरक्षित किया। रैपुरा थाना प्रभारी स्मिता सिंह बघेल ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। घायल रमेश चौधरी, जलसा बाई, प्रमोद नायक, हेमलता बाल्मीकि और बेबी बाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विद्यार्थियों ने किया विरोध-प्रदर्शन

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

नगर में सुभाष पार्क के पास छात्र-छात्राएं दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने पर बैठे आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं के समर्थन में एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया। यहां पर धरना देकर दिल्ली में हुए लाठी चार्ज की निंदा करते हुए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग की। साथ ही सुभाष पार्क से लेकर मुशरन पार्क तक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पेपर लीक मामले में सरकार की नीतियों को दोषी बताया गया और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग की गई। छात्र-छात्राओं ने कहा कि दिल्ली में छात्र-छात्राओं के साथ बदसलूकी की, अभद्रता और बेरहमी से पिटाई की गई है वह निंदनीय है। इस विरोध प्रदर्शन से जुड़े आर्यन पाली, अंश नेमा ने बताया कि इस विरोध प्रदर्शन में स्कूल और कॉलेज के छात्र-छात्रा बड़ी संख्या में शामिल रहे। इन छात्रों ने कहा कि सोनम वांगचुक हम सबके लिए संघर्ष कर रहे हैं । वे हमारे लिए प्रेरणादायक है। उक्त प्रदर्शन में प्रतीक्षा पटेल, आदित्य पाली संजय राजपूत, रणवीर पचौरी, देव वासवानी , प्रज्वल मेहरा, फरहान कुरैशी, शुभा नेमा, निकी ठाकुर के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्र शामिल हुए।

पर्यावरण संरक्षण व हरियाली बढ़ाने के लिए किया पौधरोपण

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नरगुंवा माल के प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच श्रीमती आरती/नारान गोंड, सचिव रोशनी ठाकुर, रोजगार सहायक ब्रजेश सिंह लोधी, मानव विकास समिति की क्रयकर्ता ज्योति रैकवार तथा मानव विकास समिति, नरगुंवा माल के कोऑर्डिनेटर अमित पटेल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया तथा ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता निभाने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य

स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा।

खकरिया कला में जेंडर सेंसिटाइजेशन कार्यशाला आयोजित

उद्यमिता एवं स्वरोजगार की दी जानकारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा अंतर्गत ग्राम खकरिया कला में सिस्को एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय जेंडर सेंसिटाइजेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 50 से अधिक महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को जेंडर समानता, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक सहभागिता के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही महिलाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के विभिन्न अवसरों, व्यवसाय स्थापना की प्रक्रिया, शासकीय योजनाओं, बैंक ऋण एवं वित्तीय सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई, ताकि वे

स्वयं का रोजगार प्रारंभ कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यशाला में आयोजित डिजिटल साक्षरता सत्र के दौरान ऑनलाइन भुगतान, डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई, स्मार्टफोन के प्रभावी एवं सुरक्षित उपयोग तथा सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग से संबंधित व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में भी जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान द्वारा संचालित आगामी निशुल्क कौशल विकास एवं उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने की सहमति व्यक्त करते हुए ऐसे कार्यक्रमों को ग्रामीण महिलाओं के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। इस अवसर पर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के परियोजना अधिकारी राहुल तिवारी, समन्वयक उमाकांत राय, धर्मेंद्र सिंह, कैलाश धर्मक, ग्राम पंचायत खकरिया कला की सरपंच श्रीमती आरती/नारान सिंह, जनप्रतिनिधि एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने महिलाओं से उपलब्ध प्रशिक्षण एवं शासकीय योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

मेट्रो एंकर अक्षत-गहुली से हुआ स्वागत, निकला भव्य वरघोड़ा

धारा नगरी में साध्वी श्री जीतेशरत्ना श्रीजी का चातुर्मासिक प्रवेश

धार। दोपहर मेट्रो

श्री भक्तांबर महास्त्रोत की रचना स्थली धारा नगरी में सागरसमुदायवर्तनी पपू साध्वी श्री जीतेशरत्ना श्रीजी आदि ठाना 4 का भव्य मंगल प्रवेश स्थानीय धानमंडी चौक से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्ग से होता हुआ श्री पारसनाथ जैन धर्मशाला पर पूर्ण हुआ। पूज्य साध्वी जी भगवंत के चातुर्मास में मंगल प्रवेश अवसर पर नगर में समग्र जैन समाज द्वारा घर-घर पर अक्षत से गहुली बनाकर पूज्य साध्वी जी का स्वागत वंदन अभिनंदन किया। समाज का पुरुष वर्ग महिला वर्ग सभी मंडल, परिषद परिवार, एक साथ मिलकर परमात्मा के जयकारे लगाकर वरघोड़े में चल रहे थे। आनंद चौपाटी पर अरिहंत ग्रुप की महिला मंडल द्वारा बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी गई। वरघोड़ा प्रमुख रूप से श्री शंखेश्वर मंदिर, श्री आदेश्वर मंदिर, दर्शन वंदन करते

हुए बरगोड़ा जब श्री पारसनाथ मंदिर पहुंचा। वहां पर नाकोड़ा बहू मंडल द्वारा पूज्य साध्वी जी के समक्ष गवली कर बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी। श्री पारसनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के उपरांत पूज्य साध्वी जी का धर्मशाला में शुभ मुहूर्त में प्रवेश हुआ। इस अवसर पर नन्ही-मुन्नी बालिकाओं ने नाचते-गाते और वाद्ययंत्र बजाते हुए पूज्य श्री की अगवानी कर मंगल प्रवेश करवाया। श्री संघ के अमित कामदार द्वारा गुरु वंदन करवाया गया। सीमा सराफ द्वारा गुरु के लिए दो लाइन की प्रस्तुति दी गई।

श्री संघ ने किया स्वागत

पीयूष जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलाचरण अमर कीर्ति महिला मंडल की सुनीता कोठारी, श्वेता गुग्गा और माया जैन द्वारा किया गया। स्वागत गीत नाकोड़ा बहू मंडल की निधि पंकज जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रवेश कार्यक्रम में धर्म सभा को बाहर से आए हुए अतिथियों में से सतीश जैन ट्रस्टी इंदौर द्वारकापुरी इंदौर, आदर्श जैन इंदौर, धार श्री संघ की ओर से राजेंद्र परिषद के प्रदेश अध्यक्ष भाई मोहित तांतेड़ द्वारा स्वागत भाषण दिया गया और पधारे हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया गया। प्रवचन के दौरान पूज्य साध्वी जी भगवंत द्वारा प्रवचन देकर संपूर्ण श्री संघ को वर्षा कल के दौरान चातुर्मास में धर्म आराधना, नियम, संयम, त्याग तपस्या और धार्मिक क्रियाएं करने हेतु बहुत ही सहज सरल भाषा में व्याख्या कर समझाया गया। श्री संघ अध्यक्षद्वय प्रकाश बाफना और वर्धमान सुराना और चातुर्मास समिति अध्यक्ष रोहित नाहर ने श्रीसंघ के सभी सदस्यों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और बाहर से आए मेहमानों का स्वागत किया। संपूर्ण वरघोड़े और कार्यक्रम में श्री संघ से सभी सदस्यों, मंडलो, परिषद, और कार्यकर्ताओं के सक्रियता से कार्यक्रम सफ़ल हुआ।कार्यक्रम का संचालन विजय मेहता द्वारा किया गया। और अंत में साध्वी जी भगवंत द्वारा मांगलिक से कार्यक्रम समापन किया गया।

भारत-जिम्बाब्वे के बीच टी-20 सीरीज का आगाज आज

हार के बाद जीत की राह पर लौटने उतरेगी टीम इंडिया, श्रेयस-वैभव की अग्निपरीक्षा

हरारे, एजेंसी

हरारे। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार टी20 सीरीज गंवाने के बाद भारतीय टीम अब नई शुरुआत की उम्मीद के साथ जिम्बाब्वे पहुंच चुकी है। दोनों टीमों के बीच आज से तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों के सामने न सिर्फ जीत हासिल करने बल्कि अपनी खोई हुई लय वापस पाने की भी चुनौती होगी। कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में उतर रही युवा भारतीय टीम इस दौरे को भविष्य की तैयारियों के लिहाज से भी काफी अहम मान रही है। भारतीय समयानुसार पहला टी20 मुकाबला शाम 4:30 बजे से शुरू होगा। मैच का सीधा प्रसारण जी यूनाइट8 स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा।

श्रेयस अय्यर पर कप्तानी की बड़ी जिम्मेदारी- आईपीएल 2026 के बाद टी20 टीम की कमान संभालने वाले श्रेयस अय्यर के लिए यह सीरीज बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कप्तान बनने के बाद अब तक टीम अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी है, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर अय्यर शानदार बल्लेबाजी करते रहे हैं। ऐसे में उनसे उम्मीद होगी कि वह अपने प्रदर्शन के साथ-साथ टीम को भी जीत की राह पर लौटाएं। लगातार मिली हार के बाद टीम प्रबंधन की निगाहें भी इस सीरीज पर टिकी होंगी। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए यह दौरा किसी सुनहरे अवसर से कम नहीं है। अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम तक पहुंचे वैभव के पास टी20 टीम में अपनी जगह मजबूत करने का मौका होगा। इंग्लैंड दौरे पर तेज गेंदबाजों के खिलाफ उन्हें कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। अब जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा भी उनकी इसी कमजोरी को परखने की कोशिश करेंगे। यदि वैभव इस चुनौती से पार पा जाते हैं तो वह टीम में अपनी दावेदारी और मजबूत कर सकते हैं।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11| अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे/रवि बिश्नोई, अशोक शर्मा/मयंक यादव, यश ठाकुर, प्रिंस यादव।

रिंकू सिंह की वापसी से बढ़ेगी फिनिशिंग ताकत

भारतीय टीम के लिए एक राहत की खबर रिंकू सिंह की वापसी है। पिछले कुछ समय से निजी कारणों और खराब फॉर्म से जूझने वाले रिंकू ने अपनी बल्लेबाजी तकनीक में बदलाव कर शानदार वापसी की है। आईपीएल में भी उन्होंने बेहतर लय दिखाई थी। टीम को उम्मीद है कि वह निचले क्रम में तेज रन बनाकर मैच फिनिश करने की अपनी भूमिका फिर से बखूबी निभाएंगे। गेंदबाजी विभाग में सबसे ज्यादा नजरें मयंक यादव पर रहेंगी, जो लंबे समय बाद चोट से उबरकर मैदान पर लौट रहे हैं। अपनी रफ्तार के लिए मशहूर मयंक के साथ युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा और यश ठाकुर भी टीम में शामिल हैं। अशोक ने आईपीएल में 154.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर सबका ध्यान खींचा था, जबकि यश ठाकुर ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी उपयोगिता साबित की है। इन युवा गेंदबाजों से भारतीय टीम को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। भारतीय टीम में अनुभव और युवा जोश का अच्छा संतुलन देखने को मिलेगा। अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, ईशान किशन, रवि बिश्नोई और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी टीम को मजबूती देंगे, जबकि वैभव सूर्यवंशी, सूर्यांश शेडगे, अशोक शर्मा और यश ठाकुर जैसे युवा खिलाड़ियों के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर रहेगा। टीम इंडिया का लक्ष्य इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन कर आत्मविश्वास हासिल करना और आगामी बड़े टूर्नामेंटों के लिए मजबूत संयोजन तैयार करना होगा।

पिछली नाकामियों को पीछे छोड़ नई शुरुआत को तैयार युवा स्टार

हरारे। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का आगाज 23 जुलाई से होने जा रहा है। इस सीरीज में सबसे ज्यादा निगाहें युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी, जो इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में लगातार तीन मैचों में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे थे। अब जिम्बाब्वे दौरे को वह अपने लिए नई शुरुआत का मौका मान रहे हैं। वैभव का कहना है कि क्रिकेट में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं और उनका पूरा ध्यान अपनी प्रक्रिया पर भरोसा बनाए रखने और टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर है। बीसीसीआई टीवी पर जारी एक वीडियो में वैभव ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में उनके करियर में कई तरह के अनुभव रहे हैं, लेकिन उन्होंने उनसे काफी कुछ सीखा है। उन्होंने बताया कि टीम के कोच और सपोर्ट स्टाफ लगातार उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं और अभ्यास के दौरान हर जरूरी मदद मिल रही है। यही वजह है कि उनका आत्मविश्वास बरकरार है और वह पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरने को तैयार हैं। वैभव ने कहा कि वह अपनी मेहनत और अभ्यास पर पूरा भरोसा रखते हैं।

संन्यास के बाद भी नहीं थमा स्टोक्स का तूफान,

शतक जड़ डरहम को दिलाई रोमांचक जीत, मुश्किल भरे दौर से निकाला टीम को

डर्बी, दोपहर मेट्रो

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ ही दिन बाद इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उनकी क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता और जुनून अभी भी बरकरार है। घरेलू क्रिकेट में वापसी करते हुए स्टोक्स ने अपने पहले ही मुकाबले में शानदार नाबाद शतक जड़कर डरहम को डर्बीशायर के खिलाफ पांच विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। उनकी 108 रन की जिम्मेदार पारी ने न केवल टीम को जीत दिलाई, बल्कि यह संदेश भी दिया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट छोड़ने के बावजूद उनका खेल अभी भी उसी स्तर का है।

डर्बी के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में डर्बीशायर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 256 रन बनाए। जवाब में 257 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डरहम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 98 रन के स्कोर तक अपने तीन अहम बल्लेबाज गंवा दिए और मैच धीरे-धीरे डर्बीशायर की ओर झुकता नजर आने लगा। ऐसे कठिन समय में बेन स्टोक्स ने मोर्चा संभाला। उन्होंने एक छोर मजबूती से संभाले रखा और दूसरे बल्लेबाजों के साथ उपयोगी साझेदारियां करते हुए टीम को जीत की राह पर बनाए रखा।

स्टोक्स ने 123 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और तीन शानदार छक्के शामिल रहे। बल्लेबाजी के दौरान वह लंबे समय तक क्रैम्प की समस्या से जूझते रहे, लेकिन इसके बावजूद मैदान छोड़ने के बजाय संघर्ष जारी रखा। दर्द के बावजूद उन्होंने अपना शतक पूरा किया और अंत तक नाबाद रहते हुए डरहम को 49.1 ओवर में पांच विकेट पर 257 रन तक पहुंचा दिया। टीम ने पांच गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

गेंद से भी निभाई जिम्मेदारी

स्टोक्स ने इस मुकाबले में केवल बल्ले से ही नहीं बल्कि गेंद से भी टीम के लिए योगदान दिया। उन्होंने नौ ओवर में मात्र 38 रन खर्च किए और बेहद किफायती गेंदबाजी की। हालांकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन उनकी सधी हुई गेंदबाजी ने डर्बीशायर को बड़ा स्कोर बनाने से रोके रखा। इससे पहले डर्बीशायर की ओर से मार्टिन एंडरसन ने शानदार 112 रन बनाए, जबकि ब्रुक गेस्ट ने 48 रन का योगदान दिया। डरहम के लिए ल्यूक रॉबिन्सन सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 44 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए।

कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले भारतीय बॉक्सिंग टीम का सामान गायब, बदइंतजामी से प्लेयर्स परेशान

ग्लास्गो , एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 शुरू होने से पहले भारतीय बॉक्सिंग टीम को परेशानी का सामना करना पड़ा है। बेलफास्ट में ट्रेनिंग कैंप पूरा करने के बाद ग्लास्गो पहुंची भारतीय टीम का काफी सामान वहीं छूट गया। इस वजह से खिलाड़ियों की तैयारियों पर असर पड़ने की आशंका है, जबकि बॉक्सिंग मुकाबले शुक्रवार से शुरू होने हैं। 22 सदस्यीय भारतीय बॉक्सिंग दल मंगलवार को बेलफास्ट से ग्लास्गो पहुंचा, लेकिन टीम के कई खिलाड़ियों और कोच का सामान उनके साथ नहीं आ सका। टीम से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, बेलफास्ट से ग्लास्गो के बीच उड़ान भरने वाला विमान आकार में छोटा था, जिसके कारण सभी बैग विमान में नहीं लाए जा सके।

जिन खिलाड़ियों का सामान पीछे रह गया है, उनमें साक्षी चौधरी (51 किग्रा), मौजूदा वर्ल्ड चैम्पियन जैस्मिन लम्बोरिया (57 किग्रा), परवीन हुड्डा (65 किग्रा),

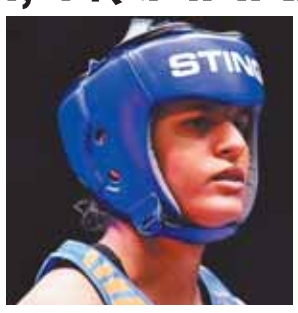

जादुमणि सिंह (55 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा) और पुरुष टीम के हेड कोच सी। कुट्टप्पा शामिल हैं। इनके अलावा कुछ अन्य सदस्यों का सामान भी ग्लास्गो नहीं पहुंच पाया। सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस सामान में खिलाड़ियों की ट्रेनिंग किट और 24 जुलाई को होने वाली उद्घाटन समारोह) में पहनने वाली सेरेमोनियल ड्रेस भी शामिल है। ऐसे में टीम को उम्मीद है कि बॉक्सिंग प्रतियोगिता शुरू होने से पहले उनका सामान ग्लास्गो पहुंच जाएगा।

पहली बार नहीं हुआ ऐसा

दिलचस्प बात यह है कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है. इससे पहले जब भारतीय बॉक्सिंग टीम दोहा से बेलफास्ट ट्रेनिंग कैंप के लिए रवाना हुई थी, तब भी खिलाड़ियों का सामान समय पर नहीं पहुंचा था और उन्हें इसी तरह की परेशानी झेलनी पड़ी थी. भारतीय दल की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं. टीम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि महिला टीम की कोच को उसी होटल में ठहराने की व्यवस्था नहीं की गई है, जहां भारतीय बॉक्सर रुके हुए हैं. इससे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच तालमेल पर भी असर पड़ सकता है. अब भ+ारतीय टीम की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि उनका सामान जल्द से जल्द ग्लास्गो पहुंचे, ताकि खिलाड़ी बिना किसी अतिरिक्त परेशानी के अपनी अंतिम तैयारियां पूरी कर सकें. बॉक्सिंग स्पर्धा शुक्रवार से शुरू होगी और

सीधे गेम में जीत दर्ज कर दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने दिखाया दम

विश्व जूनियर स्क्वैश में भारत का दमदार प्रदर्शन अनाहत-आर्यवीर ने राउंड ऑफ-16 में बनाई जगह

ओंटारियो , एजेंसी

विश्व जूनियर व्यक्तिगत स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत के युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। महिला वर्ग में शीर्ष वरीय अनाहत सिंह और पुरुष वर्ग में 5/8 वरीय आर्यवीर दीवान ने अपने-अपने मुकाबले एकतरफा अंदाज में जीतकर राउंड ऑफ-16 में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ियों ने बिना कोई गेम गंवाए जीत हासिल की और अब अगले दौर में कठिन मुकाबलों के लिए तैयार हैं।

महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने राउंड ऑफ-32 के मुकाबले में हांगकांग की पुई यिन चोले लो के खिलाफ पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए मुकाबला 11-3, 11-1 और 11-3 से अपने नाम किया। अनाहत की जीत ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस टूर्नामेंट की सबसे मजबूत दावेदारों में शामिल हैं। अब अगले दौर में उनका सामना मलेशिया की 13/16 वरीय डोयस ये सैन ली से होगा। भारतीय खिलाड़ी का लक्ष्य जूनियर विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रचना है।

आर्यवीर दीवान ने भी दिखाई शानदार लय

पुरुष वर्ग में भारत के आर्यवीर दीवान ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका के जोसेफ फीस्ट को सीधे गेम में 11-4, 11-3 और 11-3 से हराया। पूरे मुकाबले के दौरान आर्यवीर ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर लगातार दबाव बनाए रखा और आसानी से अगले दौर में प्रवेश कर लिया। राउंड ऑफ-16 में अब उनका मुकाबला अमेरिका के 9/12 वरीय यासीन शालाबी से होगा, जिसे चुनौतीपूर्ण मुकाबला माना जा रहा है। जहां अनाहत और आर्यवीर ने जीत दर्ज की, वहीं कई अन्य भारतीय खिलाड़ियों का अभियान राउंड ऑफ-32 में ही समाप्त हो गया। गुरवीर सिंह को इजरायल के एडम हवल ने हराया, जबकि युशा नफीस को निखिलेश्वर मोगनसुंदरम से हार का सामना करना पड़ा। महिला वर्ग में सान्वी कलंकी बेल्जियम की सवाना मोक्सहम से पराजित हुईं। इसके अलावा रुद्र सिंह और अनिका दुबे भी अपने मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अनुपम खेर को मिला 'ऑनर ऑफ अशोक अवॉर्ड 2026', बोले- हर सम्मान जिम्मेदारी और बढ़ा

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता, निर्देशक, निर्माता और लेखक अनुपम खेर को प्रतिष्ठित 'ऑनर ऑफ अशोक अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें कला, समाज और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उनके लंबे समय से किए जा रहे उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए अनुपम खेर ने सोशल मीडिया के जरिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि हर पुरस्कार केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों का एहसास भी कराता है।

अनुपम खेर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनकी भतीजी वृंदा खेर सम्मान ग्रहण करती नजर आ रही हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने भावुक संदेश लिखते हुए कहा कि इस प्रतिष्ठित सम्मान को पाकर वह बेहद गौरवान्वित और आभारी महसूस कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि अभिनेता, निर्माता, निर्देशक, लेखक और मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में उनके सफर में यह सम्मान बेहद खास स्थान रखता है। उनके अनुसार पुरस्कार केवल किसी उपलब्धि का प्रतीक नहीं होता, बल्कि यह इस बात का संकेत भी है कि आपके काम ने लोगों के जीवन को प्रभावित किया है और अब आपकी जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

आयोजकों का जताया आभार

अपने संदेश में अनुपम खेर ने चार्ल्स वॉल्टर्स काउंसिल फॉर इनोवेशन एंड रिसर्च, एसोसिएशन ऑफ इंडियन ब्यूरोक्रेट्स तथा कार्यक्रम से जुड़े सभी पदाधिकारियों और अतिथियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इस सम्मान के माध्यम से उन पर जो विश्वास जताया गया है, उस पर खरा उतरने के लिए वह आगे भी पूरी ईमानदारी, समर्पण और विनम्रता के साथ काम करते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हर सम्मान अपने साथ एक नई जिम्मेदारी लेकर आता है। यह जिम्मेदारी केवल एक कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि देश के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में भी होती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी वह समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने का प्रयास करेंगे।

एक्स पत्नी संग बढ़ी सोहेल खान की नजदीकियां

बच्चों की खातिर फिर बसाएंगे घर?

खान परिवार के चिराग सोहेल खान इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हेडलाइन्स में बने हुए हैं। रियलिटी शो अलायंस में सोहेल की एक्स पत्नी सीमा सजदेह संग बढ़ती नजदीकियां चर्चा में हैं। तलाक के बाद भी दोनों का खूबसूरत बॉन्ड हर किसी का दिल जीत रहा है। अब शो में सोहेल खुद सीमा के लिए अपनी फीलिंग्स का इजहार करते दिखे।

अलायंस के एक लेटेस्ट एपिसोड के दौरान, सोहेल ने ये स्वीकार किया शो ने उन्हें और सीमा को सालों बाद एक-दूसरे के और करीब ला दिया है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वो आगे चलकर सीमा के साथ और ज्यादा समय बिताना चाहते हैं। जैद दरबार संग बातचीत के दौरान सोहेल ने कहा कि इतने साल साथ रहने के बावजूद, उनके बीच कभी ऐसा रिश्ता नहीं रहा जैसा अब अलायंस में बना है। एक्स पत्नी सीमा के बारे में सोहेल बोले- ईमानदारी से कहूं तो, मैं इतने सालों में सीमा के इतने करीब कभी आया ही नहीं, जितना इस घर ने मुझे सीमा के करीब ला दिया है। हम यहां बातें कर रहे हैं। लेकिन बाहर हमारी एक दूसरी जिंदगी थी। सोहेल आगे बोले- बच्चे मेरे साथ रहते हैं, लेकिन वो सीमा से मिलने जाते रहते हैं। इससे पहले मैं वाकई सीमा के कॉन्टैक्ट में नहीं था। लेकिन शो में आने के बाद कम से कम हम एक-दूसरे के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करने लगे हैं। हम एक दूसरे से बातचीत कर रहे हैं, मिलते हैं। मुझे उनकी परवाह है, उन्हें मेरी परवाह है। यह बहुत अच्छा है। सोहेल ने अपनी फीलिंग्स शेयर करते हुए आगे कहा- मुझे नहीं पता यह एक्सपीरियंस कब वापस आएगा। मैं सीरियसली अलायंस का शुक्रिया अदा करता हूं, क्योंकि अगर मुझे पहले बताया गया होता, तो हम दोनों शायद हिचकिचाते और सोचते कि क्या मैं और सीमा एक ही कमरे में रह सकते हैं? क्या हम कंफर्टेबल महसूस करेंगे?।

मेट्रो बाजार

भारत के नॉन-मेट्रो जॉब मार्केट में विशाखापत्तनम फिर बना नंबर-1

नई दिल्ली । भारत के नॉन-मेट्रो जॉब मार्केट में सबसे तेजी से उभरते भर्ती (हायरिंग) और प्रोफेशनल माइग्रेशन वाले शहरों में विशाखापत्तनम ने एक बार फिर पहला स्थान हासिल किया है। बुधवार को जारी लिंक्डइन की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, विशाखापत्तनम के बाद लुधियाना, सूरत, वडोदरा और प्रयागराज शीर्ष पांच स्थानों पर काबिज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब नॉन-मेट्रो शहर पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं रहे हैं। इन शहरों में टेक्नोलॉजी, फाइनेंशियल सर्विसेज, मैन्युफैक्चरिंग, एजुकेशन और इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश तेजी से बढ़ रहा है, जिससे अलग-अलग क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसर तैयार हो रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 72 प्रतिशत प्रोफेशनल्स इस साल नई नौकरी की तलाश में हैं, जबकि 76 प्रतिशत का मानना है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़े बढ़ते स्किल गैप और कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण नौकरी पाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 2022 की शुरुआत के मुकाबले अब प्रत्येक नौकरी के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की संख्या दोगुने से अधिक हो चुकी है। ऐसे माहौल में उभरते हुए शहर प्रोफेशनल्स को अपने घर के करीब ही अलग-अलग उद्योगों, कंपनियों और बेहतर कैरियर अवसरों तक पहुंच प्रदान कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, ये उभरते शहर अब मल्टी-सेक्टर जॉब मार्केट के रूप में विकसित हो रहे हैं। यहां पहले से मौजूद पोर्ट, टेक्सटाइल, फार्मा, केमिकल्स और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों के साथ-साथ एआई, डेटा सेंटर, आईटी और सर्विसेज में भी बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है।

दूरसंचार कंपनियों की 'डिजिटल चालबाजी' से परेशान 81 फीसदी ग्राहक, भरोसे पर उठे सवाल

नई दिल्ली। देश में पांचवीं पीढ़ी की मोबाइल सेवा और डिजिटल सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है, लेकिन इसी के साथ दूरसंचार कंपनियों की सेवाओं को लेकर ग्राहकों के भरोसे पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय सर्वेक्षण संस्था के एक सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि देश के 81 फीसदी मोबाइल ग्राहकों को दूरसंचार सेवाओं या ग्राहक सहायता का इस्तेमाल करते समय कम से कम एक बार 'डिजिटल चालबाजी' का सामना करना पड़ा। सर्वेक्षण में देश की प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक भी शामिल रहे।

सर्वेक्षण में देश के 341 जिलों के 74 हजार से अधिक मोबाइल ग्राहकों से बातचीत की गई। इसके नतीजों के मुताबिक, हर 10 में से 8 से अधिक ग्राहकों ने ऐसी किसी स्थिति का अनुभव किया, जिसमें उन्हें किसी सेवा, योजना या भुगतान प्रक्रिया के दौरान पूरी जानकारी स्पष्ट रूप से नहीं मिली या किसी विकल्प को चुनने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से प्रेरित किया गया।

सर्वेक्षण के अनुसार, 59 फीसदी लोगों ने 'छिपे मूल्य निर्धारण' की परेशानी बताई। इसमें ग्राहक को शुरुआत में कम कीमत दिखाई जाती है, लेकिन भुगतान के अंतिम चरण में प्रसंस्करण शुल्क, सुविधा शुल्क या अन्य अतिरिक्त राशि जोड़ दी जाती है। इससे अंतिम कीमत शुरुआत में बताई गई राशि से अधिक हो जाती है। वहीं, 53 फीसदी ग्राहकों ने 'अनचाही सदस्यता' की शिकायत की। इसमें ग्राहक किसी सेवा के लिए एक बार भुगतान करता है, लेकिन बाद में स्पष्ट जानकारी दिए बिना उसे नियमित या मासिक भुगतान वाली सदस्यता में बदल दिए जाने का आरोप है। सर्वेक्षण में करीब आधे लोगों ने 'जबरन कार्रवाई' का भी अनुभव बताया।

कमजोर मानसून ने बढ़ाई किसानों की चिंता सूरजमुखी की फसल पर सूखे की मार

बेंगलुरु। कर्नाटक में कमजोर मानसून और बारिश की भारी कमी ने खरीफ फसलों की बुवाई और उत्पादन पर संकट खड़ा कर दिया है। सूरजमुखी की खेती भी इससे बुरी तरह प्रभावित हुई है। जून और जुलाई के शुरुआती सप्ताह में राज्य में सामान्य से करीब 35% तक कम बारिश दर्ज होने से खेतों में नमी का अभाव है। चित्रदुर्ग, कोलार और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कई इलाकों में सूरजमुखी की बुवाई प्रभावित हुई है। पर्याप्त नमी नहीं होने से कई जगह बीज अंकुरित नहीं हो पा रहे हैं, जबकि पहले से खड़ी फसलें भी मुरझाने लगी हैं। सूखे के कारण किसानों की आर्थिक मुश्किलें बढ़ रही हैं और कई किसान वैकल्पिक फसलों का रुख कर रहे हैं। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल और चारे की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्थिति का आकलन करने के लिए केंद्र से टीम भेजने की मांग की गई है।

साढ़े छह साल में 23,261 शिकायतों में केवल 3,018 प्रारंभिक जांच के योग्य

भ्रष्टाचार के मामलों में ईओडब्ल्यू की सुस्ती पर विधानसभा में उठे सवाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार और आर्थिक अपराधों की जांच करने वाली सबसे बड़ी एजेंसी आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। विधानसभा में सरकार द्वारा प्रस्तुत आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2020 से जून 2026 तक ईओडब्ल्यू को 23,261 शिकायतें प्राप्त हुईं, लेकिन इनमें से केवल 3,018 शिकायतों को ही प्रारंभिक जांच के योग्य माना गया। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि साढ़े छह वर्षों में अदालतों तक आरोप-पत्र (चालान) पहुंचने वाले मामलों की संख्या महज आठ रही।

ये आंकड़े कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल के प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत किए गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि हजारों शिकायतों के बावजूद जांच और अभियोजन की गति बेहद धीमी रही। कई मामलों में शिकायत मिलने के दो से पांच वर्ष बाद एफआईआर दर्ज हुई और चार्जशीट अदालत तक पहुंचने में भी वर्षों लग गए। इससे भ्रष्टाचार के मामलों की प्रभावी जांच और समयबद्ध न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार लगभग 87 प्रतिशत शिकायतें प्रारंभिक जांच तक भी नहीं पहुंच सकीं, जबकि जिन मामलों में अपराध दर्ज हुए उनमें भी अधिकांश वर्षों तक विवेचना चलती रही। भ्रष्टाचार के मामलों में समय पर जांच और अभियोजन न होने से साक्ष्य कमजोर पड़ने तथा दोषियों के बच निकलने की आशंका भी बढ़ जाती है।

बानगी उन चंद मामलों की जो अदालत की दहलीज तक पहुंचे

-**विधानसभा** में कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से (सामान्य प्रशासन विभाग) द्वारा पेश आंकड़ों से यह खुलासा हुआ है। ईओडब्ल्यू को मिले हजारों आवेदनों में से केवल 3,018 को ही शुरुआती जांच की शिकायत के रूप में स्वीकार किया गया, जबकि 756 आवेदनों को जांच के बाद नस्तीबद्ध (फाइल बंद) कर दिया गया। सालों पुरानी शिकायतों पर ईओडब्ल्यू दर्ज करने और कोर्ट में चालान पेश करने में हो रही देरी जांच प्रक्रिया की जमीनी हकीकत को बयां करती है। सबसे पहले वो मामले पढ़िए, जिनमें चालान पेश कर पाई

1. इंदौर नगर निगम जल कार्य घोटाला

-यह मामला इंदौर नगर निगम के जल कार्य विभाग में फर्जी बिलों और वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। वर्ष 2020 में प्राप्त शिकायत क्रमांक 64/20 के आधार पर ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू की और गड़बड़ी पाए जाने पर अपराध क्रमांक 16/2020 दर्ज किया। मामले में संबंधित ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से करोड़ों रुपए के फर्जी भुगतान का आरोप था। 12 अगस्त 2025 को आरोपी अधिकारियों एवं ठेकेदारों के खिलाफ विस्तृत चार्जशीट पेश हुई।

2. सतना स्वास्थ्य एवं निर्माण कार्य अनियमितता

-सतना जिले में 2020 में सरकारी योजनाओं और स्वास्थ्य संबंधित निर्माण कार्यों में पद के दुरुपयोग व अमानत में खयानत की शिकायत दर्ज कराई गई थी। प्रारंभिक जांच में शिकायत प्रमाणित पाए जाने पर ईओडब्ल्यू ने वर्ष 2021 में अपराध क्रमांक 11/21 के तहत आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया। ईओडब्ल्यू ने 30 अगस्त 2022 को चालान पेश किया।

3. भोपाल शासकीय भूमि कूटरचित दस्तावेज मामला

-भोपाल में शासकीय भूमि के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर निजी व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने की शिकायत वर्ष 2020 में ईओडब्ल्यू को प्राप्त हुई थी। जांच में फर्जी पट्टे और दस्तावेज तैयार करने के साक्ष्य मिले, जिसके बाद वर्ष 2022 में अपराध क्रमांक 100/2022 दर्ज किया गया। इसमें राजस्व विभाग के तत्कालीन कर्मचारियों और भू-माफियाओं को आरोपी बनाया गया। 19 नवंबर 2025 को आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ चालान पेश हुआ।

4. जबलपुर विकास प्राधिकरण वित्तीय गड़बड़ी

-वर्ष 2021 में जबलपुर विकास प्राधिकरण से जुड़ी निविदाओं और विकास कार्यों में वित्तीय नियमों के उल्लंघन की शिकायत ईओडब्ल्यू को मिली थी। प्रकरण की जांच के बाद अपराध क्रमांक 21/21 दर्ज किया गया। इसमें पद के दुरुपयोग और आर्थिक अनियमितता के गंभीर आरोप थे।

'ईओडब्ल्यू की जबलपुर इकाई ने बैंक खातों, निविदा फाइलों और सरकारी ऑडिट रिपोर्ट का विश्लेषण किया। ईओडब्ल्यू ने 26 सितंबर 2023 को संबंधित अधिकारियों और आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया।

'**5. ग्वालियर गृह निर्माण समिति धोखाधड़ी प्रकरण**

ग्वालियर में एक गृह निर्माण सहकारी समिति में प्लॉट आवंटन के नाम पर आम नागरिकों से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत वर्ष 2021 में दर्ज हुई थी। प्राथमिक जांच में धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र की पुष्टि होने पर ईओडब्ल्यू ने वर्ष 2023 में अपराध क्रमांक 02/2023 दर्ज किया।

07 जनवरी 2026 को आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में चालान पेश किया गया।

फैक्ट फाइल

- ईओडब्ल्यू में 2020 से जून 2026 तक आई शिकायतों के आंकड़े।
- प्राप्त कुल आवेदन :23261।
- जांच के उपरांत दर्ज कुल शिकायतें : 3,018 ।
- नस्तीबद्ध (फाइल बंद) किए गए आवेदन 756।
- अदालत में चालान पेश किए गए कुल मामले 9।

तालीबानी मंत्री मौलवी अताउल्लाह बोले-

भारत-अफगान का DNA सेम

उमरी के बयान पर पाकिस्तान में बढ़ी बेचैनी

काबुल. एजेंसी

काबुल: अफगानिस्तान की तालिबान सरकार में कृषि मंत्री मौलवी अताउल्लाह उमरी ने हाल ही में भारत का दौरा किया है। इस दौरान उनकी ओर से कुछ ऐसा कहा गया, जिसने ना सिर्फ भारत-अफगानिस्तान के रिश्ते में आती गहराई को दिखाया बल्कि पाकिस्तान में बैठे लोगों के माथे पर भी चिंता की लकीरें खींच दी। मौलवी उमरी ने ना सिर्फ भारत को अपना देश कहा बल्कि अफगानियों और भारतीयों को एक जैसे डीएनए वाले लोग कहा। इसे पाकिस्तानी रणनीतिकारों ने इस्लामाबाद के लिए एक खतरे का संकेत मानते हुए शहबाज शरीफ और असीम मुनीर को चेताया है। आईडीआरडब्ल्यू के मुताबिक, मौलवी अताउल्लाह उमरी ने नई दिल्ली में भारत-अफगानिस्तान व्यापार बैठक के दौरान कहा कि ऐसा लगता है, जैसे मैं अपने ही देश में हूं। हमारा डीएनए एक है। इस टिप्पणी का मकसद भारत के प्रति सद्भावना दिखाना था लेकिन पाकिस्तान के मीडिया और रणनीतिक समुदाय के कुछ हिस्सों ने इसे बिल्कुल अलग नजरिए से देखा है। उमरी ने अपनी टिप्पणी में ऐसा कोई संकेत नहीं दिया कि उनकी बातों में पाकिस्तान की मुखालफत है। उनके कमेंट में

पाकिस्तान के खिलाफ किसी औपचारिक रणनीतिक गठबंधन की झलक नहीं थी लेकिन इस्लामाबाद ने इसे कुछ इसी रूप में लिया। वरिष्ठ अफगान मंत्री के सार्वजनिक रूप से भारत से जुड़ाव पर पाकिस्तानी राजनीतिक विमर्श में हलचल है। उमरी का बयान ऐसे समय आया, जब भारत और अफगानिस्तान के बीच संबंध बेहतर हो रहे हैं। तालिबान सरकार के मंत्रियोंने हालिया महीनों में लगातार दिल्ली की यात्राएं की हैं। दोनों पक्षों के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग पर सहमति बनी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के भारत और अफगानिस्तान, दोनों ही पड़ोसियों से संबंधों में भारी तनाव है। इस्लामाबाद ने बार-बार अफगान तालिबान प्रशासन पर आरोप लगाया है कि वह टीटीपी को अपनी गतिविधियां करने के लिए जमीन दे रहा है। इस्लामाबाद ने भारत पर भी काबुल में पाकिस्तान विरोधी गुटों को सहायता पहुंचाने का आरोप लगाया है।

इज्जत मिट्टी में मिला दी..., फरीदकोट में लव मैरिज पर पिता ने बेटी को उतारा मौत के घाट

फरीदकोट. एजेंसी

'इज्जत मिट्टी में मिला दी...' प्रेम विवाह से नाराज पिता और रिश्तेदारों ने पंजाब के फरीदकोट में अपनी ही बेटी की कथित तौर पर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने मृतका के पिता समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गांव बुर्ज हरिका निवासी जगदीप सिंह ने करीब ढाई महीने पहले परिवार की असहमति के बावजूद महकदीप कौर से प्रेम विवाह किया था। दोनों ने सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की थी और

बठिंडा जिले में रह रहे थे। 20 जुलाई को महकदीप की मां ने दोनों को मिलने बुलाया था। गुरुद्वारे जाते समय रास्ते में महकदीप के पिता और रिश्तेदारों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दंपती बाइक से भागने लगा, लेकिन रास्ते में बाइक खराब हो गई। दोनों पैदल हाईवे की ओर भागे और फिर खेतों में चले गए। इसी दौरान महकदीप कंटीले तारों में फंस गई। आरोप है कि उसके पिता ने उसे पकड़ लिया और जगदीप के विरोध करने पर उस पर भी चाकू से हमला किया। इसके बाद महकदीप पर कई वार किए गए, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पिता वकील सिंह, ताऊ गुरप्रीत सिंह, चाचा सुखचैन सिंह, सुखा सिंह उर्फ गोलू और दिलबाग सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिक्किम टनल हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 22 हुई, तीन की तलाश जारी

गंगटोक. एजेंसी। एनएचपीसी तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में फंसे श्रमिकों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान आज भी जारी है। बचाव दलों ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच अभियान को जारी रखते हुए शेष लोगों की तलाश के प्रयास तेज कर दिए हैं। रपश्चिम बंगाल के आसनसोल से ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) की दूसरी विशेष बचाव टीम घटनास्थल पर पहुंची और तुरंत अभियान में शामिल हो गई। विभिन्न एजेंसियों की टीम समन्वय के साथ मध्यरात्रि तक लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं। ताजा जानकारी के अनुसार, सुरंग से अब तक 22 मृतकों के शव बरामद किए जा चुके हैं। शेष तीन लोगों की तलाश के लिए विशेष बचाव दल लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

बंदूक की नोक पर 12.66 लाख की लूट निकली फर्जी, दो कर्मचारी गिरफ्तार

नई दिल्ली. एजेंसी

बंदूक की नोक पर 12.66 लाख रुपये लूटे जाने का मामला महज दो घंटे में फर्जी निकला। दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस की एएटीएस, स्पेशल स्टाफ और साकेत थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने दो कर्मचारियों को गिरफ्तार कर पूरी रकम बरामद कर ली। पुलिस के अनुसार, बदरपुर निवासी पवन कुमार ने 21 जुलाई को शिकायत दी थी कि वह अपने मालिक के 12.66 लाख रुपये लेकर एमबी रोड से जा रहा था। तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने साकेत के पास बंदूक दिखाकर रकम लूट ली।

जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से शिकायतकर्ता के बताए रास्ते की पड़ताल की।

फुटेज में उसकी गतिविधियां उसके बयान से मेल नहीं खाईं। कड़ाई से पूछताछ में पवन ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथी गणेश चंद चेतिवाल के साथ मिलकर कैश हड़पने की साजिश रची थी। पवन ने रकम चुपके से गणेश को सौंप दी और पुलिस को गुमराह करने के लिए लूट की झूठी कहानी बनाई। पुलिस ने गणेश को गिरफ्तार कर उसके घर से पूरी रकम बरामद कर ली।

मेट्रो एंकर **ग्रीन एनर्जी का नया पावरहाउस बनेगा इंडिया, 220 और 55 मेगावाट के एसएमआर पर काम तेज**

भारत में 2033 तक पांच स्वदेशी छोटे परमाणु रिएक्टर बनाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत अब परमाणु ऊर्जा को नई ताकत देने की तैयारी में है। देश 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसका उद्देश्य जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने के साथ ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) 220 मेगावाट क्षमता वाले भारत एसएमआर और 55 मेगावाट के एक अन्य रिएक्टर के विकास पर काम कर रहा है। इसके अलावा हाइड्रोजन उत्पादन के लिए हाई टेम्परेचर गैस-कूल्ड रिएक्टर भी विकसित किया जा रहा है। परमाणु ऊर्जा विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने संसद में बताया कि परमाणु ऊर्जा आयोग ने 220 और 55 मेगावाट क्षमता वाले दोनों रिएक्टरों के लिए महाराष्ट्र के तारापुर को

साइट के रूप में मंजूरी दी है। सरकार ने पिछले वर्ष परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी क्षेत्र की घरेलू और विदेशी कंपनियों के लिए भी खोल दिया था। भारत का लक्ष्य 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को मौजूदा करीब 8.8 गीगावाट से बढ़ाकर 100 गीगावाट करना है। सरकार 2031-32 तक स्थापित परमाणु क्षमता को करीब 22 गीगावाट तक पहुंचाने की योजना पर भी काम कर रही है। इस विस्तार में एसएमआर की अहम भूमिका मानी जा रही है।

छोटे रिएक्टर, बड़े लक्ष्य

भारत छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों को भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में देख रहा है। पारंपरिक बड़े परमाणु संयंत्रों की तुलना में एसएमआर अपेक्षाकृत छोटे आकार और क्षमता वाले रिएक्टर होते हैं, जिन्हें जरूरत के अनुसार विभिन्न स्थानों पर तैनात करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। भारत में बीएआरसी 220 मेगावाट के भारत एसएमआर और 55 मेगावाट के एक अन्य रिएक्टर पर काम कर रहा है। इसके अलावा हाइड्रोजन उत्पादन के लिए हाई टेम्परेचर गैस-कूल्ड रिएक्टर भी विकसित किया जा रहा है।

न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया 50 गीगावाट और एनटीपीसी 30 गीगावाट परमाणु क्षमता हासिल करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही हैं। अमेरिका, रूस और दक्षिण कोरिया समेत कई देश भी एसएमआर तकनीक विकसित कर रहे हैं।

2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता का लक्ष्य

भारत ने 2047 तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को करीब 100 गीगावाट तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। वर्तमान में देश की परमाणु क्षमता लगभग 8.8 गीगावाट है, जिसे 2031-32 तक करीब 22 गीगावाट करने की योजना है। इस विस्तार में सरकारी कंपनियों के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी महत्वपूर्ण होगी। न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने 50 गीगावाट परमाणु क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है, जबकि एनटीपीसी 30 गीगावाट क्षमता का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। पिछले वर्ष परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी घरेलू और विदेशी कंपनियों के लिए खोले जाने से निवेश और तकनीकी सहयोग की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।

धोखाधड़ी के मामले में पूर्व क्रिकेटर राजेश पर केस दर्ज

भिलाई. एजेंसी। फर्जी ट्रांसपोर्ट ठेका दिलाने का झांसा देकर 17.52 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर राजेश चौहान के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने का आदेश दिया गया है। भिलाई निवासी दिनकर विश्वमित्र की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) ऐश्वर्या दीवान की अदालत ने भिलाई पुलिस को यह आदेश जारी किया। मामले में दुर्ग जिला एसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि कोर्ट का आदेश प्राप्त हो गया है और नियमानुसार एफआइआर दर्ज करने की प्रक्रिया की जाएगी। दिनकर ने आरोप लगाया है कि राजेश चौहान ने स्वयं को प्रभावशाली व्यक्ति बताते हुए उन्हें बड़े व्यावसायिक लाभ का भरोसा दिलाया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564